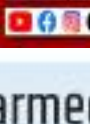


रांची, गुरुवार
08-10-2026
वर्ष : 01, अंक : 146
पृष्ठ : 12
मूल्य 04 रु, मात्र
रांची से प्रकाशित

राफ़्तार मीडिया

**RAFTAAR MEDIA**
Satellite News Channel 24x7
Also Available on All Leading
MSO & OTT Platform

**658** **276** **TATA sky**
coming soon

Also Available on cable network

275	251	132	227	284	236
28	ABPL	324	15	201	206

www.raftaarmedia.com

RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12



RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com



MAIN SPONSORED



SPONSORED



CO-SPONSORED

दिनांक: 8 अक्टूबर 2026, स्थान : होटल रमाडा, रांची, झारखंड

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में कैरेक्टर डिजाइन कार्यशाला: जहां कल्पना ने लिया कहानी का रूप

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के लिए एक रोचक एवं व्यावहारिक कैरेक्टर डिजाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को कैरेक्टर निर्माण, दृश्य कथाकथन तथा रचनात्मक डिजाइन की रोमांचक दुनिया से परिचित कराना था। इस कार्यशाला का संचालन गुरुशरण भामरा ने किया। वे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (L’o) के पूर्व छात्र तथा फिल्म एवं वीडियो कम्प्युनिकेशन डिजाइन के क्षेत्र में प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं। फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन एवं विजुअल कम्प्युनिकेशन के क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ उन्होंने विद्यार्थियों को कहानी कहने और डिजाइन थिंकिंग की



प्रक्रिया के माध्यम से कैरेक्टर डिजाइन की बारीकियों से अवगत कराया। डिजाइन थिंकिंग के दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यार्थियों ने कैरेक्टर डिजाइन के विभिन्न पहलुओं, व्यक्तित्व, रूप-रंग, भाव-भंगिमा, भावनाएँ, बांडी लैंग्वेज तथा दृश्य पहचान को

समझा। कार्यशाला को पूरी तरह व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक बनाया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी पसंद के कैरेक्टर स्वयं डिजाइन किए, उनके व्यक्तित्व एवं विशेषताओं की कल्पना की तथा उनके इर्द-गिर्द अपनी कहानी विकसित की। विद्यार्थियों ने न

केवल अपनी कल्पना को मौलिक कैरेक्टर डिजाइनों में परिवर्तित किया, बल्कि अपने द्वारा तैयार किए गए कैरेक्टर से जुड़ी कहानियाँ और कथानक भी प्रस्तुत किए। इस गतिविधि ने उन्हें यह समझने में सहायता की कि एक प्रभावशाली कैरेक्टर केवल एक

चित्र नहीं होता, बल्कि वह भावनाओं, विचारों और कहानी को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम बन सकता है। कार्यशाला का एक महत्वपूर्ण पक्ष डिजाइन के क्षेत्र में उपलब्ध विविध करियर विकल्पों से विद्यार्थियों को परिचित कराना भी रहा। विद्यार्थियों को एनिमेशन और मोशन डिजाइन, ग्राफिक डिजाइन, इंटीरियर डिजाइन, फिल्म और वीडियो कम्प्युनिकेशन, विजुअल कम्प्युनिकेशन तथा डिजाइन के अन्य उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी दी गई।

इससे विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर मिला कि रचनात्मकता, तकनीक और कहानी कहने की कला का समन्वय भविष्य में विविध एवं आकर्षक करियर के द्वार खोल सकता है। इस अवसर पर सरला बिरला पब्लिक स्कूल की

प्रधानाचार्या ने कहा, एसबीपीएस में हमारा विश्वास है कि जब विद्यार्थियों को कल्पना करने, खोजने और सृजन करने की स्वतंत्रता दी जाती है, तब उनकी रचनात्मकता वास्तविक रूप से विकसित होती है।

इस प्रकार की कार्यशालाएँ हमारे विद्यार्थियों को समकालीन रचनात्मक क्षेत्रों से सार्थक रूप से परिचित कराने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास, मौलिकता और समस्या-समाधान की क्षमता को भी विकसित करती हैं। यह कार्यशाला रचनात्मकता, डिजाइन थिंकिंग, व्यावहारिक अधिगम, कहानी कहने की कला और करियर मार्गदर्शन का एक सुंदर संगम रही। इसने विद्यार्थियों को अधिक गहराई से देखने, स्वतंत्र रूप से कल्पना करने और उद्देश्यपूर्ण ढंग से सृजन करने के लिए प्रेरित किया।

सियासी हलचल: सैकड़ों लोगों ने थामा झामुमो पार्टी का दामन

रंजीत राम समेत विभिन्न दलों व सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने ली सदस्यता, जिलाध्यक्ष ने किया स्वागत

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग। हीराबाग चौक स्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला कार्यालय में मंगलवार को आयोजित मिलन समारोह में विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से जुड़े सैकड़ों लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। सदर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रतिनिधि एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य रंजीत राम अपने समर्थकों के साथ भाजपा को छोड़कर झामुमो में शामिल हुए। सदस्यता ग्रहण करने वालों का पार्टी नेताओं ने माला पहनाकर और झामुमो का पट्टा देकर स्वागत किया। समारोह में झामुमो जिलाध्यक्ष संजीव कुमार बेदिya ने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का पार्टी से जुड़ना संगठन के प्रति बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार गरीब, आदिवासी, दलित, पिछड़ा,



अल्पसंख्यक और युवाओं के हित में काम कर रही है। उन्होंने नए सदस्यों से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिला सचिव नीलकंठ महतो ने कहा कि झामुमो केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि झारखंड की पहचान, अधिकार और सामाजिक न्याय की लड़ाई से जुड़ा आंदोलन है। उन्होंने नए कार्यकर्ताओं से संगठन को जमीनी

स्तर पर मजबूत करने की अपील की। केन्द्रीय सदस्य सह अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष यासीन खान ने कहा कि झामुमो समाज के अंतिम व्यक्ति तक अधिकार और सम्मान पहुंचाने की दिशा में काम कर रहा है। केन्द्रीय सदस्य विकास राणा और सुनील शर्मा ने भी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए पार्टी संगठन को मजबूत करने में सक्रिय योगदान देने की बात कही। जिला प्रवक्ता कुणाल यादव ने कहा कि

विभिन्न वर्गों के लोगों का पार्टी से जुड़ना हजारीबाग में झामुमो के बढ़ते जनाधार को दर्शाता है। पार्टी में शामिल होने के बाद रंजीत राम ने कहा कि समर्थकों के साथ विचार-विमर्श के बाद उन्होंने झामुमो की सदस्यता लेने का निर्णय किया। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व और झारखंड के हित में उठाए जा रहे मुद्दों से प्रभावित होकर पार्टी से जुड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में वे अपने समर्थकों के साथ मिलकर संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सक्रिय रूप से काम करेंगे। समारोह में खतियानी परिवार के जिला अध्यक्ष अशोक राम, रामचंद्र राम, कार्तिक सिन्हा, भीखू राम, आलोक वर्मा, कुलदीप राम, नरेश प्रजापति, अधिवक्ता पिंटू प्रकाश, अधिवक्ता पारस राव अंब्रेडकर, अधिवक्ता अमन कुमार, भीम आर्मी के जिला मीडिया प्रभारी बादल कुमार, वार्ड

सदस्य सुरेंद्र कुमार, रामशरण राम, बालेश्वर रजक, प्रकाश कुमार राम, बृजनंदन राम सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। अल्पसंख्यक मोर्चा से मुख्तार अहमद, सुशील केरकेट्टा, अनुपम विशाल, रिचर्ड एंथोनी बैचमन, बसंत परैया, रोबिन राय, कुमुद दास समेत कई लोगों ने भी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर केन्द्रीय सदस्य इजहार अंसारी, जिला उपाध्यक्ष रंजीत मेहता, विकास बेदिya, युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सयेंद्र मेहता, जिला कोषाध्यक्ष मो. अख्तर, श्रमिक संघ के जिला अध्यक्ष सह बड़कागांव प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, दारू प्रखंड अध्यक्ष नारायण दास, राजीव वर्मा, श्वेता दुबे, लखीराम मांझी, रीना देवी, रीता देवी, तंटू वीर राम, प्रदीप मेहता, विक्रम रवि, रंजीत कुमार राम, निर्मल राम, सुनील कुमार, निशि मेहता समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे।

एसआईआर को लेकर फुरकान अंसारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और पीएम मोदी पर किया हमला

पहले मतदाता चुनते थे नेता, अब नेता चुन रहे मतदाता : फुरकान अंसारी

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सह पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक फुरकान अंसारी ने बुधवार को कोर्ट रोड स्थित अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग और केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे देश के मतदाताओं के बीच भ्रम और चिंता की स्थिति पैदा हो रही है। फुरकान अंसारी ने कहा कि पहले देश में मतदाता अपने नेता का चुनाव करते थे, लेकिन अब ऐसी स्थिति पैदा की जा रही है कि नेता ही मतदाताओं को चुनने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने चुनाव आयोग से एसआईआर प्रक्रिया को लेकर पुर्नर्विचार करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जो लोग वर्षों से देश के मतदाता हैं और जिनके नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं, उनके नाम मतदाता सूची में किसने शामिल किए थे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने का काम चुनाव आयोग ने नहीं किया है, बल्कि निर्धारित



प्रक्रिया के तहत मतदाताओं को लोकतांत्रिक अधिकार मिला है। ऐसे में पुराने मतदाताओं के नामों को लेकर सवाल खड़ा करना उचित नहीं है। फुरकान अंसारी ने कहा कि चुनाव आयोग को एसआईआर कराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने चुनाव आ्युक्त के इस्तीफे की मांग करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की भी मांग उठाई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की

बुनियाद है और इसमें किसी भी प्रकार की प्रक्रिया ऐसी नहीं होनी चाहिए, जिससे योग्य मतदाता अपने नेताधिकार से वंचित हों। उन्होंने केंद्र सरकार से भी इस मामले में स्थिति स्पष्ट करने और मतदाताओं के अधिकारों पर सुरक्षित रखने की मांग की। मौके पर अजहरूद्दीन अंसारी, जिला प्रवक्ता इरशादुल हक आरसी, अभय पाण्डे, निष्पति हांसदा सहित अन्य उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर में 34 यूनिट रक्त संग्रह

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

गिरिडीह: लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलिट एवं खंडोली इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को संस्थान परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलिट के अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन एवं संस्थान के प्राचार्य सह जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार ने किया।

इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन अरविंद कुमार ने भी उपस्थित रहकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

शिविर में संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं लायंस क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 34 यूनिट रक्त स्वेच्छा से दान



किया।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन ने कहा, “रक्तदान महादान है। हमारे द्वारा दिया गया रक्त

किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। युवाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग को नियमित रक्तदान के लिए आगे आना

चाहिए।”

वहीं प्राचार्य सह जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार ने कहा कि “विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा रक्तदान

के लिए आगे आना सामाजिक जिम्मेदारी

और मानवीय संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसे सेवा कार्य युवाओं में समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।”

शिविर को सफल बनाने में लायन राहुल बर्मन, कोषाध्यक्ष लायन मसरूर सिद्दीकी, लायन रवि राज, लायन अवनीश अंशु, लायन शत्रुघ्न सिंह, लायन राहुल कुमार एवं लायन सुदीप गुप्ता सहित लायंस क्लब के सदस्यों एवं रेड क्रॉस सोसाइटी व ब्लड बैंक की मेडिकल टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, संस्थान प्रबंधन, विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं रेड क्रॉस टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

समाचार सार

एसआईआर को लेकर डीईओ ने किया डिजिटाइजेशन कैंप का निरीक्षण



मेदिनीनगर (रफ़्तार मीडिया संवाददाता)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बुधवार को चैनपुर एवं लेस्लीगंज प्रखंड में चल रहे डिजिटाइजेशन कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बुधवार प्रपत्र-6 के कलेक्शन की जानकारी ली और कम कलेक्शन वाले बु्थों के कारणों की समीक्षा की। डीईओ ने निर्देश दिया कि 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी योग्य युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो, कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए। उन्होंने प्रपत्र-6, 7 एवं 8 के डिजिटाइजेशन कार्य में तेजी लाने तथा एसआईआर की प्रक्रिया आयोग के निर्धारित मानकों के अनुरूप समयबद्ध पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी उदय रजक समेत संबंधित पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

एस आई आर कार्य की भेंट चढ़ा गाडेय प्रखंड-अंचल का कामकाज: प्रमाण पत्र व जमीन के काम ठप, बैरंग लौट रहे ग्रामीण



गांडेय (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): गांडेय प्रखंड व अंचल कार्यालय में इन दिनों सरकारी योजनाओं और प्रमाण पत्र बनवाने पहुंच रहे ग्रामीणों को भारी फजीहत झेलनी पड़ रही है। राज्यव्यापी एसआईआर अभियान के तहत व्यापक जांच और सत्यापन कार्य में प्रखंड व अंचल के सभी कर्मियों के उलझे होने के कारण सामान्य कामकाज पूरी तरह ठप पड़ गया है। दफ्तर आने वाले ग्रामीणों को 'अभी एसआईआर का काम चल रहा है' कहकर बैरंग लौटाया जा रहा है। दूर-दराज के गांवों से पहुंचे छात्र-छात्राओं, युवाओं और बुजुर्गों का कहना है कि जाति, आय, आवासीय प्रमाण पत्र तथा जमीन संबंधी जरूरी कागजात नहीं बन पा रहे हैं। कई युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी योजनाओं के फॉर्म भरने से वंचित होने का डर सता रहा है। मामले को लेकर झामुमो नेता प्रमोद राम ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर के नाम पर बीएलओ से लेकर तमाम अधिकारी व कर्मचारी व्यस्तता दिखाकर ग्रामीणों को परेशान कर रहे हैं। इस वजह से क्षेत्र में विकास से संबंधित सभी काम ठप हो गए हैं। गांडेय अंचलाधिकारी (सीओ) ओम प्रकाश बड़ाईक ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि राज्यव्यापी निर्देश के तहत प्रखंड व अंचल के सभी पदाधिकारी व कर्मचारी एसआईआर कार्य में प्राथमिकता के आधार पर लगे हुए हैं। यह अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है और अगले कुछ दिनों तक यह प्रक्रिया जारी रहेगी। इसके पूरा होने के बाद ही सामान्य कामकाज पट्टरी पर लौट सकेगा।

सेवा संकल्प पखवाड़ा के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली मोटरसाइकिल रैली



गोड्डा (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): गोड्डा जिले में 17 सितंबर से 18 अक्टूबर तक सेवा संकल्प पखवाड़ा दिवस मनाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को महागमा नगर मंडल के भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मोटरसाइकिल रैली निकालकर गोड्डा के लिए प्रस्थान किया। रैली को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। महागमा नगर मंडल के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मोटरसाइकिल से गोड्डा के लिए रवाना हुए। बताया गया कि सेवा संकल्प पखवाड़ा के तहत आयोजित कार्यक्रम में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह रैली निकाली गई है। कार्यकर्ता निर्धारित कार्यक्रम स्थल गांधी मैदान में एकत्रित होगी।गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद सभी कार्यकर्ता गोड्डा स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पहुंचेंगे, जहां कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रबोध सोरेन ने कहा कि सेवा संकल्प पखवाड़ा के तहत आयोजित कार्यक्रम को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। उन्होंने बताया कि महागमा नगर मंडल से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने मोटरसाइकिल रैली के माध्यम से गोड्डा पहुंचने का निर्णय लिया है। रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठनात्मक एकजुटता का संदेश दिया। कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बिहार-झारखंड सीमा पर उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, छह अवैध शराब भट्टियां ध्वस्त

हजारीबाग। आगामी त्योहारों को देखते हुए अवैध शराब के निर्माण और कारोबार के खिलाफ उत्पाद विभाग ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। उपायुक्त हजारीबाग के निर्देश और सहायक आयुक्त उत्पाद हजारीबाग के पर्यवेक्षण में हजारीबाग एवं गया उत्पाद विभाग की संयुक्त टीम ने बिहार-झारखंड सीमा क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के तहत चौपारण अंचल के चौपारण थाना क्षेत्र स्थित भागर झरना गांव में अवैध चुलाई शराब की भट्टियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान कुल छह अवैध शराब भट्टियां को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। मौके से 470 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की गई। इसके अलावा शराब निर्माण के लिए तैयार किए गए करीब 23 हजार किलोग्राम कृत्रिवत जावा-महुआ को घटनास्थल पर ही नष्ट कर दिया गया। विभाग के अनुसार, जावा-महुआ 90 ड्रमों में रखा था, जिनमें प्रत्येक ड्रम में करीब 200 किलोग्राम सामग्री थी। इसके अतिरिक्त चार सीमेंट की टैंकियों में भी भारी मात्रा में कृत्रिवत जावा-महुआ रखा गया था। उत्पाद विभाग ने बताया कि अवैध चुलाई शराब भट्टियों के संचालकों के खिलाफ उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। छापेमारी टीम में सहायक आयुक्त उत्पाद हजारीबाग रामलीला रवानी, निरीक्षक उत्पाद सौरव कुमार, अवर निरीक्षक उत्पाद अभिषेक कुमार, अवर निरीक्षक उत्पाद कुलदीप कुमार समेत हजारीबाग उत्पाद टीम के अधिकारी-कर्मी शामिल थे। गया उत्पाद टीम की ओर से सहायक अवर निरीक्षक अभय यादव सहित अन्य कर्मियों ने कार्रवाई में सहयोग किया।

एपीएल सीजन-2 के फाइनल में आनंद विहार रॉयल्स व तुलस्यन मेटल्स आमने-सामने, खिताब के लिए होगी जोरदार भिड़ंत

तीसरे दिन महिला मुकाबले में सुपर ओवर का रोमांच, बच्चों की श्रेणी में रन रॉकेट्स ने जीता खिताब

रफ्तार मीडिया संवाददाता

झुमरीतिलैया। अग्रवाल प्रीमियर लीग (एपीएल) सीजन-2 के तीसरे दिन मैदान पर क्रिकेट का रोमांच अपने चरम पर पहुंच गया। दिनभर खेले गए मुकाबलों में कहीं सुपर ओवर ने धड़कनें बढ़ाई तो कहीं बल्लेबाजों और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन ने मैच का रुख बदल दिया। पुरुष वर्ग के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले पूरे होने के साथ ही खिताबी मुकाबले की तस्वीर भी साफ हो गई। अब एपीएल सीजन-2 के फाइनल में आनंद विहार रॉयल्स और तुलस्यन मेटल्स के बीच खिताब के लिए भिड़ंत होगी। वहीं बच्चों की श्रेणी में रन रॉकेट्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। दिन की शुरूआत महिला वर्ग के मुकाबले से हुई। कामधेनु क्वींस और टाटा मोटर्स



चैलेंजर्स के बीच खेला गया मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए टाटा मोटर्स चैलेंजर्स ने निर्धारित 10 ओवर में 68 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी कामधेनु क्वींस की टीम ने भी 68 रन बनाकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मुकाबले का फैसला सुपर ओवर से हुआ, जिसमें कामधेनु क्वींस ने शानदार प्रदर्शन

करते हुए तीन रन से जीत दर्ज की। मुकाबले में हरफनमौला प्रदर्शन करने वाली रिचा खटुवाला की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया पुरुष वर्ग के पहले सेमीफाइनल में तुलस्यन मेटल्स और जेडीआई स्ट्राइकर्स की टीमें आमने-सामने हुईं। तुलस्यन मेटल्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जेडीआई स्ट्राइकर्स को छह विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

जेडीआई स्ट्राइकर्स ने 52 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे तुलस्यन मेटल्स ने महज आठ ओवर में चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टीम की जीत के प्रमुख नायक अंकित खेतान रहे, जिन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 रन की नाबाद पारी खेली। बच्चों की श्रेणी के अंतिम मुकाबले में भी खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। रन रॉकेट्स ने सुपर लायंस को हराकर एपीएल सीजन-2 का खिताब अपने नाम किया। पूरे मुकाबले में बेहतरीन हरफनमौला प्रदर्शन करने वाले केशव अग्रवाल को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दिन के अंतिम मुकाबले में पुरुष वर्ग का दूसरा सेमीफाइनल आनंद विहार रॉयल्स और आरके नाइट्स के बीच खेला गया। आनंद विहार रॉयल्स ने शुरूआत से ही मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और एकतरफा अंदाज में आरके नाइट्स को पराजित कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। टीम की जीत में पंकज जगनानी की शानदार गेंदबाजी निर्णायक रही। उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चार विकेट हासिल किए। उनके इस प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए उन्हें मुकाबले का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। पुरुष वर्ग के दोनों सेमीफाइनल के नतीजों के बाद अब खिताबी मुकाबले में आनंद विहार रॉयल्स और तुलस्यन मेटल्स आमने-सामने होंगे। दोनों टीमों ने टूनामेंट में अब तक प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। ऐसे में फाइनल मुकाबले को लेकर खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों में भी उत्सुकता बढ़ गई है। मैदान पर दोनों टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने की उम्मीद है।

सलैया स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर 'सलैया संघर्ष मोर्चा' ने सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव को सौंपा मांग पत्र

रफ्तार मीडिया संवाददाता

गिरिडीह : सलैया और आसपास के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों की लंबे समय से चली आ रही रेल सुविधाओं की मांग को लेकर सलैया संघर्ष मोर्चा का संघर्ष लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार, 06 अक्टूबर 2026 को सलैया संघर्ष मोर्चा की एक संयुक्त टीम ने केन्द्रीय मंत्री सह कोडरमा सांसद माननीय अनूपणी देवी जी के सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष दिनेश यादव जी से मुलाकात की और जनहित से जुड़ी रेल मांगों को उनके समक्ष मजबूती से रखा। मुलाकात के दौरान मोर्चा के प्रतिनिधियों ने सांसद महोदय से हुईं पूर्व की वताओं और सौंपे गए मांग पत्रों का जिक्र करते हुए मुख्यतः तीन प्रमुख मांगों पर ठोस कार्रवाई का आग्रह किया। 1369-संतरगाछी एक्सप्रेस (गया-गिरि/92) का



सलैया स्टेशन पर नियमित ठहराव सुनिश्चित किया जाए। हाल ही में घोषित हावड़ा-खातीपुरा साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन (03007/08) का भी ठहराव सलैया स्टेशन पर दिया जाए। पूर्व से परिचालित हटिया-आसनसोल इंटरसिटी एक्सप्रेस (13513/14) एवं गोड्डा-दिल्ली साप्ताहिक एक्सप्रेस (14049/50) का ठहराव सलैया में जल्द से जल्द सुनिश्चित कराया जाए। मोर्चा के सदस्यों ने बताया कि वर्तमान में इन ट्रेनों की समय-सारणी और ठहराव स्थलों की समीक्षा चल रही है, ऐसे में सलैया स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने जोर देकर कहा कि सलैया स्टेशन पर इन ट्रेनों के ठहराव से पंचंबा

सहित गिरिडीह की आधी शहरी आबादी और कोडरमा संसदीय क्षेत्र के लगभग 30 गांवों के लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। सांसद प्रतिनिधि दिनेश यादव जी ने मामले पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए तुरंत माननीय केंद्रीय मंत्री को इन सभी जनआकांक्षाओं से पुनः अवगत कराया। उन्होंने सलैया संघर्ष मोर्चा के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि रेल सुविधाओं और ट्रेनों के संबंध में आप लोगों का प्रयास निश्चित रूप काबिले तारीफ है, साथ ही आवश्यक किया कि सलैया स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव को लेकर जल्द ही सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। इस अवसर पर सलैया संघर्ष मोर्चा के सक्रिय सदस्य गौतम सोनी, संतोष पांडे, गोपाल जी, किशोरिल अहमद, सनी, सुमित, निशु सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

17 से 21 नवंबर तक यदूटांड स्थित गौशाला परिसर में होगा मेले का आयोजन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

झुमरीतिलैया। आठ वर्षों के लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर यदूटांड स्थित श्री कोडरमा गौशाला समिति परिसर में मेले की रौनक देखने को मिलेगी। गोपाष्टमी के अवसर पर आयोजित होने वाले इस पांच दिवसीय मेले को लेकर समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। मेले में बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ मनोरंजन और साहित्यिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। इससे गोपाष्टमी मेला धार्मिक आयोजन के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा।श्री कोडरमा गौशाला समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक मंगलवार, 6 अक्टूबर को अग्रसेन भवन, झुमरीतिलैया में हुई। बैठक की शुरूआत गावत्री वंदना से हुई, जिसके बाद अध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। बैठक में छल्ली बैठक में लिए गए निर्णयों की पृष्ठ की गई तथा आगामी गोपाष्टमी मेला 2026 के आयोजन बड़े-बड़े दावों का वास्तविक ज़िम्मेदारी तय करने में बां-बां देरी क्यों होती है? 5. छोटे कारोबारियों को राहत कब? छोटे व्यापारी और एम्पएसएमई देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। सरकार बताए कि बड़े आर्थिक फैसलों के बाद



आयोजित किया जाएगा। मेला यदूटांड स्थित श्री कोडरमा गौशाला समिति परिसर में लेगेगा। आठ वर्षों के बाद होने वाले इस आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों में विशेष उत्साह है। मेले को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने के लिए कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। मेले के दौरान स्कूली बच्चों की प्रतिभा को सामने लाने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता और गायन प्रतियोगिता प्रमुख रूप से शामिल हैं। समिति की कोशिश है कि आठ वर्ष बाद आयोजित होने वाले इस मेले में शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हों।

बैठक में बताया गया कि पांच दिवसीय मेले की विस्तृत कार्यक्रम रूपरेखा तैयार करने का कार्य मेला मंत्री राम रतन महर्षि एवं प्रदीप खाटुवाला द्वारा किया जा रहा है। समिति के अनुसार कार्यक्रमों को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि मेले में धार्मिक भावना के साथ बच्चों, युवाओं और आम लोगों की भी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। बैठक में संरक्षक श्याम सुंदर सिंघानिया एवं सुरेश जैन, अध्यक्ष प्रदीप केडिया, सचिव अरुण मोदी के अलावा कैलाश चौधरी, महेश दारूका, संजय अग्रवाल, पप्पू केडिया, मनोज केडिया, उमाशंकर जगनानी, अमित खेतान, सुभाष बरनवाल, जगदीश सघई, पवन चौधरी, रितेश लोहानी, अरुण बरनवाल, चंद्रशेखर जोशी, सुष्मा सुमन, अरुण बौद्ध एवं रौनक कुमार उपस्थित थे।समिति के इस निर्णय के बाद आठ वर्षों से बंद पड़े गौशाला मेले को लेकर स्थानीय लोगों में भी उत्सुकता बढ़ने लगी है। पांच दिनों तक चलने वाले आयोजन में धार्मिक आस्था के साथ कला, संस्कृति, मनोरंजन और साहित्य का संगम देखने को मिलेगा।

सरकार इन सवालों का स्पष्ट और तथ्यात्मक जवाब देश के सामने रखे। 9. 25 साल में जनता को नतीजे मिले या सिर्फ नारे? विकास और परिवर्तन के बड़े दावों को रोजगार, किसान की आय, शिक्षा, स्वास्थ्य और लोकतांत्रिक संस्थाओं में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए? 8. संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल क्यों उठ रहे हैं? देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। सरकार इन सवालों का स्पष्ट और तथ्यात्मक जवाब देश के सामने रखे। 9. 25 साल में जनता को नतीजे मिले या सिर्फ नारे? विकास और परिवर्तन के बड़े दावों को रोजगार, किसान की आय, शिक्षा, स्वास्थ्य और



समाचार सार

चुआं का दुषित पानी पीने का मजबूर ग्रामीण, कई किलोमीटर दूर से सर पे ढोकर घर में पानी लाती है महिलाएं



गुमला (रफ्तार मीडिया संवाददाता): गुमला जिले के रायडीह प्रखंड के सुदुर्गती कोब्जा क्षेत्र का डिपाटोली गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। गांव में सड़क और पेयजल की समस्या से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित पदाधिकारियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है। कोब्जा डिपाटोली गांव की महिलाओं से बात करने पर उन्होंने बताया कि उनकी सबसे बड़ी समस्या पेयजल की है। गांव में पीने का पानी का समाधान नहीं होने के कारण गांव की महिलाओं को गांव से बाहर काफी दूर जाकर चुआं का पानी ढोकर लाना पड़ता है। हालांकि चुआं का पानी शुद्ध नहीं होता है दूषित होता है जिसके कारण बीमारियों की आशंका बनी होती है। लेकिन जीवन जीने के लिए मजबूर होकर ग्रामीणों को इस पर निर्भर रहना पड़ता है क्योंकि गांव में इसके लिए उनके पास और कोई विकल्प नहीं है।गांव का चापाकल भी लंबे समय से खराब पड़ा है। ग्रामीणों का कहना है कि चापाकल की मरम्मत के लिए कई बार आग्रह किया गया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। जहां एक ओर र पूरे देश भर में और सूबे में सरकार कई तरह के कल्याणकारी योजनाएं और पेयजलके लिए योजनाएं चला रही हैं। बावजूद इसके गांवों में पेयजल की स्थिति दरनिय होना बताता है कि अभी भी लोगों का जीवन आसान नहीं है। पानी लाने के लिए उन्हें अपने गांव से काफी दूर जाकर पानी लाना पड़ता है। उसके बावजूद भी उन्हें चुएं का दुषित पानी लाना पड़ता है।उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं होना गुमला के पेयजल और स्वच्छता विभाग की असफलता भी दिखाता है। पेयजल और स्वच्छता विभाग के पदाधिकारी जहां बड़े-बड़े दावे करते हैं और लोगों को पानी पहुंचाने के बात करते हैं। लेकिन जमीनी हकीकत देखने पर स्थित कुछ और होती है।

पारस एचईसी रांची में एआई आधारित पर्सनलाइज्ड घुटना प्रत्यारोपण की शुरूआत

रांची (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : पारस एचईसी हॉस्पिटल, रांची में अब उन्नत एआई आधारित रोबोटिक्स प्लस तकनीक की मदद से पर्सनलाइज्ड टोटल नी रिलेसमेंट (टीकेआर) किया जा रहा है। इस तकनीक का इस्तेमाल कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिलेसमेंट सर्जन डॉ विवेक कुमार डेविड कर रहे हैं। अस्पताल में यह सिस्टम आने के बाद पिछले एक महीने में इसकी सहायता से सात घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी की जा चुकी हैं। रोबोट्रिक्स प्लस मरीज की शारीरिक संरचना और घुटने के प्राकृतिक एलाइनमेंट को ध्यान में रखते हुए इम्प्लॉंट की स्थिति एवं एलाइनमेंट की योजना बनाने में सर्जन की सहायता करता है। सिस्टम प्री-ऑपरेटिव प्लानिंग, सर्जरी के दौरान गाइडेंस और पोस्ट-ऑपरेटिव वैलिडेशन के तीनों चरणों में आवश्यक घुटने एवं जानकारी उपलब्ध कराता है। डॉ डेविड ने कहा कि हर व्यक्ति के घुटने की बनावट अलग होती है। रोबोट्रिक्स प्लस मरीज की प्राकृतिक शारीरिक संरचना को बेहतर तरीके से समझकर उसी के अनुरूप घुटना प्रत्यारोपण की योजना बनाने में सहायता करता है। शुरूआती सात मामलों में अनुभव उत्साहजनक रहा है। उन्होंने कहा कि रोबोट्रिक्स प्लस सर्जन का स्थान नहीं लेता, बल्कि एआई आधारित उन्नत प्लानिंग एवं गाइडेंस सिस्टम के रूप में काम करता है। सर्जरी से जुड़े अंतिम निर्णय सर्जन ही लेते हैं। इस तकनीक के जरिए झारखंड के मरीजों को आधुनिक और पर्सनलाइज्ड घुटना प्रत्यारोपण की सुविधा रांची में ही उपलब्ध हो सकेगी। पारस एचईसी हॉस्पिटल के फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ नीतेश कुमार ने कहा कि रोबोट्रिक्स प्लस जैसी उन्नत एआई आधारित तकनीक की शुरूआत से घुटना प्रत्यारोपण के क्षेत्र में मरीजों को अधिक व्यक्तिगत और आधुनिक उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। हमारा प्रयास है कि झारखंड के मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूसरे शहरों का रुख न करना पड़े। इस तकनीक के माध्यम से सर्जनों को अधिक सटीक प्लानिंग और सर्जरी के दौरान बेहतर गाइडेंस मिलती है। पारस एचईसी हॉस्पिटल भविष्य में भी आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को अपनाकर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।



कुमारधुबी (रफ्तार मीडिया संवाददाता): इतिहास विभाग में 2022 - 2026 के राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रथम बैच का आज फेवरवेल हुआ। जिसमें प्रोफेसर ईचार्ज डॉ.लीना सिंह ने इस सत्र के विद्यार्थियों को उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। इतिहास विभाग के शिक्षक प्रो.महावीर दास ने विद्यार्थियों को कहा कि अपने करियर बनाने के साथ-साथ एक इंसान बने, समाज में नाम हो और उस ऊंचाई तक पहुंचे जिसका सपना आपके अभिभावक ने देखा है। इस फेवरवेल में सिंगिंग ,छाँसिंग ,भाषण कविता ,प्यूजिक चैयर, प्रश्नोत्तरी आदि इंटेंट शामिल रहा। विद्यार्थियों ने इस सत्र को अनुशासन में रहकर पूरा किया ।

25 साल सत्ता में रहने का जश्न नहीं, प्रधानमंत्री देश को 25 साल का हिसाब दें : केशव महतो कमलेश

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्तामें 25 वर्ष पूरे होने पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 25 साल सत्ता के केंद्र में रहने का जश्न मनाने से पहले प्रधानमंत्री को देश की जनता के सामने अपने वादों, दावों और फैसलों का हिसाब देना चाहिए। कमलेश ने कहा कि लोकतंत्र में लंबे समय तक सत्ता में बने रहना अपने आप में उपलब्धि का प्रमाण नहीं है। असली कसौटी यह है कि युवा को रोजगार मिला या नहीं, किसान की आय बढ़ी या नहीं,



गरीब को राहत मिली या नहीं और आम परिवार की जिंदगी महंगाई से आसान हुई या नहीं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से 10 सिंधे और तीखे सवाल पूछे—

1. रोजगार के वादे का हिसाब

कहाँ है? देश का युवा डिग्री लेकर रोजगार की तलाश में भटक रहा है। प्रधानमंत्री बताएं कि रोजगार को लेकर किए गए बड़े-बड़े दावों का वास्तविक हिसाब जनता के सामने कब रखा जाएगा? 2. किसान की आय दोगुनी हुई या सिर्फ वादा? किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया गया था। आज सरकार बताए कि किसान की वास्तविक आय कितनी बढ़ी और इस वादे की जवाबदेही कौन लेगा? 3. महंगाई से जनता को राहत कब मिलेगी? रसोई से लेकर शिक्षा और इलाज तक बढ़ते खर्च ने आम परिवार के

बजट पर दबाव बढ़ाया है। प्रधानमंत्री बताएं कि महंगाई से राहत के उनके दावों का असर आम आदमी की जिंदगी में कहाँ दिखाई देता है? 4. युवाओं के भविष्य का जिम्मेदार कौन? पेपर लीक, भर्ती में देरी और परीक्षाओं की अनिश्चितता ने लाखों युवाओं को परेशान किया है। सरकार बताए कि ऐसी व्यवस्था के लिए जिम्मेदारी तय करने में बां-बां देरी क्यों होती है? 5. छोटे कारोबारियों को राहत कब? छोटे व्यापारी और एम्पएसएमई देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। सरकार बताए कि बड़े आर्थिक फैसलों के बाद

छोटे कारोबारियों की समस्याओं को दूर करने के लिए क्या ठोस और पारदर्शी कदम उठाए गए? 6. आर्थिक विकास का लाभ आम आदमी की जेब तक कितना पहुंचा? बड़ी अर्थव्यवस्था के दावों के बीच सवाल यह है कि आम नागरिक की आय, बचत और क्रय शक्ति में कितना वास्तविक सुधार हुआ? सिर्फ अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ने से घर का चूल्हा नहीं चलता। 7. सरकार जवाबदेही से क्यों बचती है? लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है। प्रधानमंत्री बताएं कि संसद और

लोकतांत्रिक संस्थाओं में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए? 8. संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल क्यों उठ रहे हैं? देश की लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

सरकार इन सवालों का स्पष्ट और तथ्यात्मक जवाब देश के सामने रखे। 9. 25 साल में जनता को नतीजे मिले या सिर्फ नारे? विकास और परिवर्तन के बड़े दावों को रोजगार, किसान की आय, शिक्षा, स्वास्थ्य और

सामाजिक सुरक्षा के ठोस परिणामों के साथ साबित करने की जिम्मेदारी सरकार की है। 10. 25 साल का जश्न होगा या 25 साल का हिसाब? कमलेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को यह तय करना होगा कि वे केवल उपलब्धियां गिनाएंगे या अधूरे वादों, नाकाम नीतियों और जनता के सवालों का भी जवाब देंगे। लोकतंत्र में जनता मालिक है और सत्ता को जनता के प्रति जवाबदेह होना ही पड़ेगा। जनता प्रचार नहीं, परिणाम चाहती है। केशव महतो कमलेश ने कहा कि देश पोस्टर, प्रचार और भाषणों से नहीं चलता; देश

रोजगार, किसान की खुशहाली, मजदूर की मजदूरी, मध्यम वर्ग की बचत और आम आदमी की क्रय शक्ति से चलता है। उन्होंने कहा कि 25 साल सत्ता में रहने के बाद भी यदि युवा रोजगार मांग रहा है, किसान अपनी आय को लेकर चिंतित है और आम परिवार महंगाई से जूझ रहा है, तो सवाल पूछे जाएंगे। सत्ता कितनी भी बड़ी हो, लोकतंत्र में जनता के सवालों से बड़ी कोई कुर्सी नहीं होती। प्रधानमंत्री 25 साल का जश्न जरूर मनाएँ, लेकिन देश की जनता को 25 साल का हिसाब भी दें।



जामाडोबा बड़कीटांड में धंसी जमीन, 20 फीट का विशाल गोफ बनने से इलाके में दहशत

मोहम्मद सलीम के मकान के पास अचानक फटी जमीन, 5 हजार की आबादी वाले क्षेत्र में मची अफरा-तफरी

►स्थानीय लोगों का आरोप- पहले छोटे गोफ की दी गई थी सूचना, लापरवाही से 20 फीट तक बढ़ गया आकार।
►घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे टाटा कंपनी के अधिकारी, जायजा लेकर शुरू की जांच।

►ग्रामीणों ने की तत्काल गोफ भराई और सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग, आवागमन का नहीं है कोई दूसरा रास्ता।



देखते इस गोफ का आकार बढ़कर करीब 20 फीट हो गया। अचानक घटी इस घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए।
लापरवाही का नतीजा: पहले छोटा था गोफ, अब लिया विकराल रूप
स्थानीय निवासियों का स्पष्ट

आरोप है कि इस बड़ी घटना के पीछे संबंधित विभाग की घोर लापरवाही है। ग्रामीणों (अनवर हुसैन और समीम सहित अन्य) ने बताया कि कुछ दिन पहले ठीक इसी स्थान पर एक छोटा गोफ बना था। इसकी लिखित और मौखिक सूचना तुरंत संबंधित विभाग और अधिकारियों को दी गई थी,



लेकिन समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। अगर उसी समय गोफ की भराई कर दी जाती, तो आज यह 20 फीट का विकराल रूप नहीं लेता और इतनी बड़ी आबादी की जान खतरे में नहीं पड़ती।
5 हजार की आबादी पर मंडरा रहा खतरा
इस क्षेत्र में करीब पांच हजार

जानलेवा स्थिति उत्पन्न हो रही है। इस इलाके में आने-जाने के लिए कोई दूसरा वैकल्पिक मार्ग भी नहीं है, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है।

टाटा प्रबंधन ने लिया जायजा, ग्रामीणों की मांग- तुरंत हो भराई
घटना की सूचना मिलते ही टाटा कंपनी के अधिकारी आनन-फानन में दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने गोफ और आसपास की स्थिति का जायजा लेते हुए जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। वहीं, दहशतजवा स्थानीय लोगों ने कंपनी प्रबंधन और प्रशासन से अविलंब गोफ की सुरक्षित भराई कराने, पूरे क्षेत्र की भू-वैज्ञानिक जांच कराने और लोगों के जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पुरजोर मांग की है।

समाचार सार

डीसी कार्यालय के समक्ष कांग्रेस व भाकपा माले ने किया प्रदर्शन



बोकारो (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस और माले का हल्लाबोल प्रतिवाद मार्च निकालकर ज्ञानेश से इस्तीफे की मांग की। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के विरोध में इंडिया गठबंधन ने बोकारो में जोरदार प्रदर्शन और मार्च निकाला है. प्रतिवाद मार्च में कांग्रेस और माले के कार्यकर्ता शामिल हुए. सभी नेताओं ने डीसी कार्यालय बोकारो पहुंचकर प्रदर्शन किया तथा वहीं गेट के बाहर धरना पर बैठ गए। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष जवाहर लाल महथा ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान जबरन विपक्षी मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जिससे चुनावी प्रक्रिया प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनक्रोश है उनकी जगह जेल में होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस्तीफे तक यह संघर्ष जारी रहेगा। वहीं भाकपा माले लिबरेशन नेता राजू दूबे ने कहा कि आइसा की एक नेत्री ने देश के शिक्षा मंत्री से इस्तीफा ले ली। आज वक्त आ गया है कि ज्ञानेश कुमार को भी इस्तीफा देना होगा। उन्होंने कहा कि वोट चोरी करने वाले देश के इतनी बड़ी पद पर नही रह सकते। उन्हें इस्तीफा देना होगा।

तेज रफ्तार कार ने टोटो को मारी जोरदार टक्कर, चार घायल, दो की हालत गंभीर



गांडेय(रफ़्तार मीडिया संवाददाता): गांडेय थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवडीह/इस्लामपुर के समीप बुधवार को एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार और टोटो के बीच भीषण सीधी टक्कर हो गई। यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि टोटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे में टोटो सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, वहीं टोटो में बैठी दो महिलाओं को भी चोटें आई हैं। गंभीर रूप से घायल युवकों की पहचान पहरिडीह निवासी इमामुद्दीन अंसारी और शाहिद अंसारी के रूप में की गई है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) गांडेय पहुंचाया। सीएचसी में डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों गंभीर रूप से घायल युवकों सहित चोटिल महिलाओं की नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल रेफर कर दिया। इधर, दुर्घटना के तुरंत बाद स्विफ्ट कार का चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार होने में सफल रही। घटना की सूचना मिलते ही गांडेय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश समेत मामले की अग्रेतर जांच में जुट गई है।

गोविंदपुर में चला प्रशासन का इंडा: दुर्गा पूजा से पहले एनएच-19 से हटाय़ा गया अतिक्रमण, जाम से मिलेगी निजात

धनबाद (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): आगामी दुर्गा पूजा के त्योहार को देखते हुए धनबाद के गोविंदपुर इलाके को जाम मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन ने कण्ठ कस ली है। उपायुक्त आदित्य रंजन के संख्त निर्देश पर एसडीएम लोकेश बारगे के नेतृत्व में एनएच-19 के किनारे सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों को सख्ती से हटा दिया गया, ताकि त्योहार के दौरान श्रद्धालुओं और आम यात्रियों को दैनिक जाम का सामना न करना पड़े। दरअसल, गोविंदपुर क्षेत्र में इन दिनों फ्लाईओवर का निर्माण कार्य जोरों पर चल रहा है। इस निर्माण कार्य के कारण एनएच-19 पर आवागमन के लिए जगह पहले ही काफी संकरी हो गई है। दुर्गा पूजा के दौरान बाजार और पूजा पंडालों के आसपास लोगों की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में सड़क पर अतिक्रमण रहने से यातायात व्यवस्था के पूरी तरह से ठप होने की आशंका थी। इसी जाम की समस्या को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से प्रशासन ने यह त्वरित कार्रवाई की है। अभियान का नेतृत्व कर रहे एसडीएम लोकेश बारगे ने आम जनता सहित गोविंदपुर के व्यवसायियों से ख़ास अपील की। साथ ही उन्होंने चेतावनी भी दी कि दोबारा सड़क पर अतिक्रमण करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण मुक्त करने के इस विशेष अभियान में पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम मौजूद रही। एसडीएम लोकेश बारगे के साथ मौके पर अंचलाधिकारी यशवंत कुमार सिन्हा और गोविंदपुर थाना प्रभारी बिष्णु प्रसाद राउत दल-बल के साथ शामिल रहे और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने में अहम भूमिका निभाई। प्रशासन की इस कार्रवाई से पैदल चलने वाले राहगीरों और वाहन चालकों ने राहत की सांस ली है।

एनजीटी की रोक हवा में, एनएच-39 पर दिन-रात दौड़ रहे बालू लदे टर्बो और हाइवा: पुलिस प्रशासन मौन

रांची: राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के स्पष्ट आदेशों और पार्षदियों के बावजूद मांडर और चान्ही थाना क्षेत्र में बालू का अवैध खनन और कालाबाजारी बंधडूक जारी है। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए बालू माफिया दिन के उजाले से लेकर रात के अंधेरे तक धड़ल्ले से बालू का अवैध उठाव, धुलाई और सप्लाई कर रहे हैं। हैरान करने वाली बात यह है की अवैध बालू की धुलाई करने वाले सभी वाहन बिना नंबर प्लेट के मांडर और चान्ही के सड़क पर दौड़ लाते हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि एनएच-39 पर किरकने स्थित मांडर और चान्ही थाना परिसर के ठीक सामने से होकर बालू लदे टर्बो और हाइवा वाहन फराटें भर रहे हैं। पुलिस प्रशासन के नाक के नीचे से रोजाना गुजरती बालू की ये गाड़ियां स्थानीय प्रशासनिक चौकसी और इच्छाशक्ति पर कई गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा गर्म है कि क्या बालू माफिया का यह पुरा नेटवर्क पुलिस और प्रशासन के कथित संरक्षण में फल-फूल रहा है? थाने के सामने से खुलेआम गाड़ियों की आवाजाही ने इस आशंका को और बल दिया है। एनजीटी की अवहेलना और खुलेआम हो रही इस कालाबाजारी से न केवल पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि शासन-प्रशासन की साख पर भी गहरा धब्बा लग रहा है। अब देkhना यह होगा कि उच्चाधिकारी इस मामले में संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई करते हैं या अवैध कारोबार का यह खेल यूं ही जारी रहेगा।

पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे : धनबाद में सांसद और विधायकों ने हाथों में मशाल लेकर निकाली 'सेवा ज्योति यात्रा'

जगजीवन नगर में आयोजित कार्यक्रम में एलईडी स्क्रीन पर दिखाया गया पीएम का संदेश

►सांसद दुल्लू महतो ने भाजपा कार्यकर्ताओं को दिलाई जनसेवा और राष्ट्र निर्माण की शपथ।

►7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे नरेंद्र मोदी, सुशासन का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है लक्ष्य।



संकल्प लिया।
मशाल जुलूस और बाइक रैली से दिखाया उत्साह
कार्यक्रम की शुरुआत में परिसर में लगाई गई विशाल एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक संदेश और उनके कार्यकाल के प्रमुख जर्नहित कार्यों को आम लोगों तक पहुंचाया गया। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और युवाओं ने पूरे जोश के साथ बाइक रैली और एक भव्य मशाल जुलूस निकाला।

धनबाद के सांसद दुल्लू महतो, विधायक राज सिन्हा, रागिनी सिंह और शत्रुघ्न महतो ने स्वयं अपने हाथों में मशाल थामकर इस यात्रा का नेतृत्व किया। यात्रा शुरू होने से पहले सांसद दुल्लू महतो ने उपस्थित सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को जनसेवा, विकास और राष्ट्रहित में काम करने की शपथ दिलाई।

विकसित भारत के संकल्प को मिलेगी मजबूती
कार्यक्रम के दौरान विधायक राज

सिन्हा और सांसद दुल्लू महतो सहित अन्य नेताओं ने बताया कि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। तब से लेकर आज तक राजनीति में सेवा, विकास और सुशासन के उनके सफर के 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि को रेखांकित करने के लिए यह आयोजन किया गया है। नेताओं ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री के विकास और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है, ताकि 'विकसित भारत' के राष्ट्रीय संकल्प को और अधिक मजबूती मिल सके। इस दौरान भारी संख्या में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा गया, जिन्होंने भारत माता की जय के लिए पूरे क्षेत्र में घुमाया।

सेवा ज्योति एवं संकल्प सभा में भाजपा ने गिनाए प्रधानमंत्री की उपलब्धि

बोकारो : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा की ओर से देशभर में सेवा ज्योति यात्रा और विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बोकारो के सेक्टर-1 में भी विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर बाउरी, पूर्व विधायक बिरंची नारायण, पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बादुल, भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र राज समेत बड़ी संख्या में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान सेवा ज्योति प्रज्वलित कर विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सीधा प्रसारण भी भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सुना। प्रधानमंत्री के बताए मार्ग पर चलने और विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम के बाद स्थल से रैली भी निकाली गई। भाजपा प्रदेश महामंत्री सह पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का सेवाकाल अभूतपूर्व रहा है। उन्होंने झारखंड की जनजातीय आबादी और गरीबों के कल्याण के लिए काम किया है। अमर बाउरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के गरीबों को निराशा के भाव से निकालकर उनके अंदर उम्मीद की किरण जगाई है। 13 वर्षों तक गुजरात के मुख्यमंत्री और 12 वर्षों से देश के प्रधान सेवक के रूप में काम करते हुए नरेंद्र मोदी ने देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ाया है। वहीं पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल को देश के इतिहास में महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी इसी तरह देश की सेवा करते रहें, वही उनकी कामना है।

कब्जा हटेगा, सड़क खुलेगी: फुसरो में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन का बड़ा प्लान सड़क पर कब्जा करने वालों को दो टूक चेतावनी अस्थायी दुकानदारों को सब्जी मंडी में बसाने की तैयारी

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

बेरमो : शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर बढ़ते अतिक्रमण को लेकर प्रशासन अब सख्त मोड़ में आ गया है। सड़क किनारे दुकान लगाकर आवागमन बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में बेरमो सीओ सजित कुमार और फुसरो नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी राजीव रंजन ने फुसरो बाजार में अतिक्रमण प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सड़क किनारे अस्थायी दुकान लगाने वाले दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि सार्वजनिक सड़क और आवागमन की जगह पर कब्जा किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने दुकानदारों से



अतिक्रमण हटाकर यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने में सहयोग करने की अपील की।
दुकानदारों को राहत, सब्जी मंडी में मिलेगी जगह
प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ प्रभावित अस्थायी

जाम से लोगों को राहत मिल सके। अधिकारियों का कहना है कि निर्धारित स्थान पर दुकानें लगने से बाजार व्यवस्था बेहतर होगी, सड़कें सुगम होंगी और आम लोगों को आवागमन में परेशानी नहीं होगी।

अब चेतावनी के बाद कार्रवाई की बारी
प्रशासन के निरीक्षण और चेतावनी के बाद अब सबकी नजर अगली कार्रवाई पर है। सवाल यह है कि अतिक्रमण हटाने की मुहिम कब जमीन पर उतरेगी और कार्रवाई कितनी सख्ती से होगी? फिलहाल प्रशासन के रुख से साफ है कि सड़क जनता के लिए है, कब्जे के लिए नहीं। आने वाले दिनों में फुसरो की सड़कों पर अतिक्रमण के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई देखने को मिल सकती है।

विस्थापन और वैकल्पिक रास्ते की मांग को लेकर ग्रामीणों ने ठप की सुदामडीह साइडिंग की ट्रांसपोर्टिंग

►प्रबंधन के आश्वासन पर घंटों बाद शांत हुआ आंदोलन; जल्द पहल न होने पर दोबारा आंदोलन की चेतावनी



धनबाद : सुदामडीह थाना क्षेत्र की थाना बस्ती के ग्रामीणों ने विस्थापन समेत विभिन्न मांगों को लेकर सुदामडीह नंबर-5 रेलवे साइडिंग का ट्रांसपोर्टिंग कार्य ठप कर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। आंदोलन का नेतृत्व बिहार कोलियरी कामगार यूनियन (बीसीकेयू) के संयुक्त सचिव

गौतम कुमार रवानी ने किया। प्रदर्शन में भारी संख्या में महिला व पुरुष ग्रामीण शामिल हुए, जिसके कारण साइडिंग में परिवहन कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा।ग्रामीणों का

आरोप है कि प्रबंधन ने थाना बस्ती के विस्थापित परिवारों को छह महीने के भीतर विस्थापित करने का लिखित आश्वासन दिया था। इसके बावजूद करीब दो वर्ष बीत जाने के

बाद भी विस्थापन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। ग्रामीणों ने प्रबंधन से जल्द से जल्द विस्थापन प्रक्रिया शुरू कर प्रभावित परिवारों को पुनर्वासित करने की पुरजोर मांग की। रास्ता बंद होने से बढ़ी परेशानी आंदोलनकारियों ने बताया कि पाथरडीह से बिरसा पुल जाने वाले मुख्य रास्ते को बंद कर दिए जाने से स्थानीय लोगों का जीना मुहाल हो गया है। ग्रामीणों को आवागमन के लिए गांव के अत्यंत संकरे रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, जिससे हर वक्त जाम की स्थिति बनी रहती है। मोटरसाइकिल और अन्य छोटे वाहन भी इसी संकीर्ण रास्ते से गुजर

रहे हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने मुख्य रास्ते का तत्काल कोई सुलभ विकल्प उपलब्ध कराने की मांग रखी। आंदोलन की सूचना मिलते ही ईजे एरिया भीरा के एजीएम एलएल वर्णवाल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की। उन्होंने ग्रामीणों की सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और प्रबंधन की ओर से जल्द ही सकारात्मक पहल करने का ठोस आश्वासन दिया। प्रबंधन के इस रुख के बाद ग्रामीणों ने आंदोलन समाप्त करने का निर्णय लिया, जिसके बाद साइडिंग में ट्रांसपोर्टिंग का कार्य दोबारा सुचारू

रूप से शुरू हो सका। बीसीकेयू के संयुक्त सचिव गौतम कुमार रवानी ने कहा कि प्रबंधन हमेशा विस्थापितों के साथ वादाखिलाफी करता आया है। छह महीने का भरोसा देकर दो साल तक ग्रामीणों को अधर में लटका कर रखा गया है। रास्ता बंद होने से बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि यदि प्रबंधन ने दिए गए आश्वासन पर तब समय के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं की, तो ग्रामीण एक बार फिर उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

संजू बाबा की इस सफाई पर कितना यकीन किया जाए ?

क्या अभिनेता संजय दत्त की इस सफाई पर यकीन कर लिया जाए ? या यदि यकीन हो जाए तो फिर शेखर सुमन का क्या होगा ? संजय दत्त ने शेखर सुमन के शो 'शेखर टुनाइट' में दिए अपने हालिया बयान को लेकर सफाई दी है। संजय दत्त ने एक वीडियो जारी कर कहा कि शो में उनकी ओर से कही गई बातें एक स्क्रिप्टेड सेगमेंट और परफॉर्मेंस का हिस्सा थीं। उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति, समुदाय या संस्था की भावनाओं को ठेस पहुंचाना या उनका अनादर करना नहीं था।

संजय दत्त ने कहा, "सोशल मीडिया पर कई लोगों ने हाल में शेखर सुमन के शो में मेरे द्वारा कही गई कुछ बातों को लेकर मुझसे संपर्क किया। कुछ लोगों ने कहा कि वो मेरी बातों से हैरान हैं। वहीं, कई लोगों ने उनकी बातों पर असहमति भी जताई। मैं उनकी भावनाओं को पूरी तरह से समझता हूं और इस बारे में एक बात स्पष्ट करना चाहता हूं।" उन्होंने आगे कहा कि शो के दौरान उन्होंने जो कुछ भी कहा, वह एक स्क्रिप्टेड सेगमेंट का हिस्सा था, जैसा कि अक्सर इस तरह के टीवी शो में होता है। संजय दत्त के मुताबिक, "हम एक स्क्रिप्ट के अनुसार अभिनय कर रहे थे। उसी दौरान कही गई

कई बातें उसी परफॉर्मेंस और उसके कॉन्टेक्ट का हिस्सा थीं। वो किसी भी तरह से सिर्फ मेरे व्यक्तिगत विचार, मेरी सोच या मेरी भावनाएं नहीं थीं।" अभिनेता ने अपने दोस्तों और शुभचिंतकों के विश्वास और स्नेह की कद्र करने की बात भी कही। उन्होंने कहा, "मैं कभी नहीं चाहूंगा कि किसी स्क्रिप्टेड परफॉर्मेंस की वजह से मेरे वास्तविक विचारों को लेकर कोई गलतफहमी पैदा हो। मुझे उम्मीद है कि इससे पूरी बात सही संदर्भ में स्पष्ट हो जाएगी। जय हिंद, जय भारत।" इससे पहले रविवार को भी संजय दत्त ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेखर सुमन के टॉक शो 'शेखर टुनाइट' में अपनी टिप्पणियों को लेकर सफाई दी थी। उन्होंने कहा था कि उनका इरादा कभी किसी व्यक्ति, समुदाय या संस्था की भावनाओं को ठेस पहुंचाने, अपमानित करने या अनादर करने का नहीं था। संजय दत्त ने यह भी स्पष्ट किया था कि उनकी टिप्पणियां हल्के-फुल्के और हास्यपूर्ण अंदाज वाली एक स्क्रिप्टेड बातचीत का हिस्सा थीं। उन्होंने इसकी भावना की तुलना अपनी चर्चित 'मुन्ना भाई' फिल्मों से जुड़े 'गांधीगिरी' के विचार से की थी। उनके मुताबिक, इसका उद्देश्य प्यार, अपनापन, एकजुटता और सद्भावना की भावना को आगे बढ़ाना था।



इतिहास

क्या-क्या हुआ

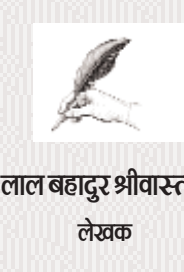
- 1586- मुगल सेना का श्रीनगर में प्रवेश: मुगल सम्राट अकबर की सेना ने कश्मीर की तत्कालीन राजधानी श्रीनगर में प्रवेश किया। इस अभियान के बाद कश्मीर को आधिकारिक रूप से मुगल साम्राज्य का हिस्सा बना लिया गया।
- 1708- गुरु गोविंद सिंह जी का निधन: सिखों के दसवें और अंतिम मानव गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी का नदिड़ (महाराष्ट्र) में निधन हुआ था। उनके बाद पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' को ही सिखों का स्थाई गुरु घोषित किया गया।
- 1737-बंगाल का विनाशकारी चक्रवात: कलकत्ता (अब कोलकाता) और बंगाल के तटीय क्षेत्रों में एक भयंकर चक्रवात और समुद्री तूफान आया, जिसमें 40 फीट ऊंची लहरें उठीं। इस प्राकृतिक आपदा में लगभग 3 लाख लोगों की जान चली गई थी।
- 1919-'नवजीवन' पत्रिका का प्रकाशन: राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपनी साप्ताहिक पत्रिका 'नवजीवन' का संपादन और प्रकाशन शुरू किया, जो लोगों के बीच राष्ट्रवाद के विचारों को फैलाने का एक बड़ा माध्यम बनी।
- 1950- 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना: मदर टेरेसा ने कोलकाता में गरीब, बीमार और असहाय लोगों की सेवा के लिए आधिकारिक रूप से 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' संस्था की शुरूआत की थी।
- 1952- चंडीगढ़ बना पंजाब की राजधानी: आधुनिक वास्तुकला से सुसज्जित नए नियोजित शहर चंडीगढ़ को औपचारिक रूप से पंजाब राज्य की नई राजधानी घोषित किया गया था।
- 1992- रैपिड एक्शन फोर्स का गठन: भारत में दंगों, सांप्रदायिक हिंसा और आंतरिक सुरक्षा स्थितियों से विशेषज्ञता के साथ निपटने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (उपरुध्रु) के तहत रैपिड एक्शन फोर्स की स्थापना की गई थी।
- इसा पूर्व 3761- हिब्रू कैलेंडर की शुरूआत: यह पारंपरिक तिथि हिब्रू (यहूदी) कैलेंडर के युग या सृष्टि की शुरूआत का प्रतीक मानी जाती है, जिससे इस प्राचीन कालक्रम की गणना होती है।
- 1951- लेपैटो की प्रसिद्ध समुद्री लड़ाई: इतिहास के सबसे बड़े नौसैनिक युद्धों में से एक, 'बैटल ऑफ लेपैटो' में पवित्र रोमन कैथोलिक गठबंधन (होली लीग) की नौसेना ने उस्माना साम्राज्य (ऑटोमन एमपायर) के बेड़े को हराकर भूमध्य सागर पर उनके वर्चस्व को रोक दिया था।
- 1913- पहली मूविंग असेंबली लाइन की शुरूआत: प्रसिद्ध अमेरिकी उद्योगपति हेनरी फोर्ड ने अपनी ऑटोमोबाइल कंपनी में दुनिया की पहली गतिमान (मूविंग) असेंबली लाइन का अनावरण

कविता

जीवन उपहार

ईश्वर का उपहार जीवन
ईश्वर जैसा चाहे वैसा रखें
ईश्वर से कैसी शिकवा शिकायत....
सुख के चलते चलते कभी
ईश्वर दुख भीअपार देते हैं
ईश्वर पाठ्यक्रम अनुसार
हमारी परीक्षाएं भी लेते है
हम भी तो नादान है उनका
स्मरण करना भूल जाते हैं
कुछ अच्छा हो तो
कुछ बुरा हो तो ही हम
ईश्वर को याद करते हैं

मन को शांत रखें तो
कष्ट मन के टल जाते हैं
ईश्वर से बड़ा न कोई जगत में
ईश्वर ही अम्पायर जीवन खेल में
ईश्वर ही जीवन मोक्ष कराते हैं
ईश्वर ही भवसागर पार लगाते हैं.....



लाल बहादुर श्रीवास्तव लेखक

संपादकीय



कुमार कृष्णन



आज किसी भी ऐतिहासिक स्थल को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करना स्वाभाविक माना जाता है। पर्यटक आएँ, श्रद्धालु आएँ, स्थानीय लोगों को रोजगार मिले और गांव की अर्थव्यवस्था मजबूत हो– इसमें कोई विरोधाभास नहीं है। लेकिन विकास और संरक्षण के बीच वह महीन रेखा पहचानना जरूरी है, जिसके पार जाकर विरासत केवल पर्यटन की वस्तु बन सकती है।



पंकज जायसवाल



गणित में दो और दो चार होते हैं। दो इकाइयाँ अलग-अलग होती हैं और उनका जोड़ एक निश्चित परिणाम देता है। लेकिन समाज कोई गणितीय समीकरण नहीं है। समाज मनुष्यों का समूह है और मनुष्य केवल एक संख्या नहीं है। उसके भीतर भावनाएँ हैं, रिश्ते हैं, संस्कार हैं, जिम्मेदारियाँ हैं, प्रेम है, संघर्ष है, त्याग है और सबसे महत्वपूर्ण दूसरे मनुष्य पर उसकी निर्भरता है।

शारदीय नवरात्र की सुबह मल्टी में जब पहली रोशनी उतरती है, तब सबसे पहले नजर उन प्राचीन मंदिरों पर नहीं जाती, जिनके कारण यह छोटा-सा गांव दूर-दूर तक पहचाना जाता है। मन ठहरता है मां मौलिका के दरबार पर। धूप और दीप की गंध, पूजा की तैयारी, मंदिर की ओर बढ़ते श्रद्धालुओं के कदम और देवी के दर्शन की प्रतीक्षा–इन सबके बीच मल्टी जैसे अपनी सदियों पुरानी स्मृति को फिर से जीने लगता है। यहां नवरात्र केवल नौ दिनों का धार्मिक अनुष्ठान नहीं है। यह मां मौलिका की आराधना के बहाने उस इतिहास और लोकविश्वास के जागने का समय भी है, जिसने इस छोटे-से गांव को असाधारण बना दिया है।

दुमका जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड के पास बसा मल्टी बाहर से देखने पर एक सामान्य गांव लगता है। लेकिन मां मौलिका के मंदिर की ओर बढ़ते ही उसका अर्थ बदलने लगता है। एक के बाद एक दिखाई देते प्राचीन मंदिर, पुरानी ईंटों की दीवारें और उनके बीच चलती पूजा की परंपरा यह बताती है कि यहां धर्म किसी एक मंदिर के गर्भगृह तक सीमित नहीं है। वह गांव के जीवन, उसकी स्मृति और उसकी पहचान में रचा-बसा है। यही कारण है कि मल्टी को केवल मंदिरों का गांव कहना उसके अर्थ को छोटा कर देना होगा।

मां मौलिका इस पूरे सांस्कृतिक संसार की आध्यात्मिक धुरी हैं। गर्भगृह में ऊंचे चबूतरे पर प्रतिष्ठित देवी के मस्तक के दर्शन श्रद्धालु करते हैं। देवी की पूजा सिंहवाहिनी दुर्गा के रूप में की जाती है और स्थानीय आस्था में मां मौलिका को जाग्रत शक्ति माना जाता है। देवी के सामने मनुष्य की भाषा छोटी पड़ जाती है। वह अपने दुख, भय, उम्मीद और आकांक्षा को शब्दों से अधिक विश्वास में रखता है। मां मौलिका के दरबार में नवरात्र के दिनों में यही विश्वास दिखाई देता है। शायद किसी जीवित देवी-परंपरा की सबसे बड़ी शक्ति यही होती है कि वह केवल अतीत में नहीं रहती। हर पीढ़ी उसे अपने वर्तमान में फिर से अर्थ देती है।

मां मौलिका की पहचान से जुड़ा सबसे रोचक लोकविश्वास उन्हें पश्चिम बंगाल के तारापीठ की मां तारा से जोड़ता है। स्थानीय मान्यता है कि मां मौलिका,



मां तारा की बड़ी बहन हैं। इस संबंध को ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित तथ्य की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। यह लोकआस्था है। लेकिन ऐसी लोकआस्था को केवल इसलिए महत्वहीन नहीं माना जा सकता कि उसके समर्थन में इतिहास की किताबों में पर्याप्त दस्तावेज नहीं मिलते। लोकविश्वास भी किसी समाज की सांस्कृतिक स्मृति का हिस्सा होते हैं। उन्होंने ही अक्सर उन भूगोलों को जोड़ा है जिन्हें राजनीतिक सीमाएं अलग-अलग दिखाती हैं। मल्टी और तारापीठ के बीच भी आस्था ने अपना एक ऐसा रास्ता बनाया है, जिसे नक्शे पर खींची रेखाओं से पूरी तरह नहीं समझा जा सकता। एक ओर मां मौलिका और दूसरी ओर मां तारा–दोनों के बीच संबंध की यह लोकस्मृति पीढ़ियों से चली आ रही है। मां मौलिका की पूजा शक्ति की उस व्यापक भारतीय परंपरा से भी जुड़ती है जिसमें देवी कभी दुर्गा हैं, कभी काली, कभी तारा और कभी किसी गांव की अपनी लोकदेवी। इसीलिए मल्टी की देवी को समझना केवल एक स्थानीय धार्मिक परंपरा को समझना नहीं है; यह उस भारतीय सांस्कृतिक चेतना को समझने की कोशिश भी है जिसमें अनेक रूपों में शक्ति की आराधना होती रही है।

इस लोकस्मृति में बामाखेपा की कथा भी जुड़ती है। तारापीठ के प्रसिद्ध साधक बामाखेपा के बारे में स्थानीय परंपरा में कहा जाता है कि तारापीठ जाने से

लोक विचार

समाज गणित से नहीं, रसायन से चलता है



उदाहरण है। पहली नजर में इसे एक व्यंग्य या हल्के-फुल्के नारे के रूप में लिया जा सकता है। लेकिन यदि इसे सामाजिक विमर्श के संदर्भ में देखें तो इसमें एक गंभीर प्रश्न छिपा है।

‘मर्द’ शब्द अपने आप में एक सामूहिक पहचान है। दुनिया की लगभग आधी आबादी पुरुष है। क्या 400 करोड़ पुरुष एक जैसे हैं? क्या पिता, भाई, पुत्र, पति, शिक्षक, सैनिक, किसान, वैज्ञानिक, डॉक्टर, मजदूर, साधु और समाजसेवी सभी को एक ही श्रेणी में रख देना उचित है?

कुछ पुरुष गलत हो सकते हैं उन्हें कानून के अनुसार दंड मिलना चाहिए। लेकिन कुछ व्यक्तियों के अपराध को पूरी पुरुष जाति का चरित्र बना देना तर्क नहीं, सामूहिक सामान्यीकरण है। यदि हम पुरुषों के किसी वर्गीय सामान्यीकरण को गलत मानते हैं, तो महिलाओं के बारे में किया गया वही सामान्यीकरण भी गलत होना चाहिए।

प्रकृति का सबसे बड़ा पाठ है पूरकता। नर और मादा प्रकृति के दो विरोधी वर्ग नहीं हैं। वे जीवन की निरंतरता के दो पूरक पक्ष हैं। वनस्पति जगत से लेकर पशु जगत और मानव जीवन तक सृष्टि का विस्तार इसी जैविक पूरकता से होता है। फिर मनुष्य समाज में इन्हें स्थायी

पहले उन्होंने मल्टी में मां मौलिका की आराधना की थी। यहां उनके त्रिशूल की स्मृति का भी उल्लेख मिलता है। इन बातों को प्रमाणित इतिहास और लोकस्मृति के बीच स्पष्ट अंतर रखते हुए देखना चाहिए। लेकिन इन कथाओं की सांस्कृतिक शक्ति से इनकार नहीं किया जा सकता। लोककथा इतिहास की जगह नहीं लेती, लेकिन वह इतिहास के उन हिस्सों तक पहुंचने का रास्ता जरूर खोलती है जिन्हें दस्तावेज हमेशा दर्ज नहीं कर पाते।

मल्टी की कहानी हालांकि केवल मां मौलिका की आस्था तक सीमित नहीं है। इस गांव का पूरा स्थापत्य अपने भीतर एक लंबा सांस्कृतिक आख्यान समेटे हुए है। पुराने समय में यहां 108 मंदिर होने की बात कही जाती है। आज लगभग 72 प्राचीन मंदिरों के बचे होने की पहचान मिलती है। शिव, दुर्गा, काली, धर्मराज, मनसा, विष्णु और अन्य देवी-देवताओं को समर्पित ये मंदिर अलग-अलग समूहों में खड़े हैं। इसी असाधारण मंदिर-परंपरा के कारण मल्टी को ‘गुप्त काशी’ कहा जाता है।

लेकिन इन मंदिरों की संख्या से अधिक महत्वपूर्ण उनकी उपस्थिति का सांस्कृतिक अर्थ है। मल्टी में शिव के अनेक मंदिर हैं, लेकिन मां मौलिका का मंदिर धार्मिक चेतना का अपना विशिष्ट केंद्र है। यहां प्राचीन स्थापत्य और जीवित आस्था एक-दूसरे से अलग नहीं दिखते। पुराने मंदिर अतीत की गवाही देते हैं और मां मौलिका की पूजा उस अतीत को वर्तमान में जीवित रखती है।

नवरात्र में यह दृश्य और भी अर्थपूर्ण हो जाता है। सदियों पुरानी ईंटों के बीच कई पीढ़ी के श्रद्धालु सिर झुकाते हैं। मंदिर की पुरानी दीवारों पर दीपक की लौ पड़ती है। धूप की खुशबू हवा में घुलती है। आरती की आवाज उन मंदिरों के बीच फैलती है जो न जाने कितनी पीढ़ियों की आस्था के साक्षी रहे हैं। ऐसा लगता है जैसे समय की दो धाराएं एक ही क्षण में मिल गई हों–एक अतीत की और दूसरी वर्तमान की।

मल्टी की स्थापत्य परंपरा इस अनुभव को और गहरा करती है। यहां के मंदिरों पर बंगाल की स्थापत्य शैली का स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है।

विरोधी वर्गों के रूप में खड़ा करने की कोशिश क्यों? पुरुष और महिला एक-दूसरे के प्रतियोगी नहीं, बल्कि अनेक स्तरों पर एक-दूसरे के पूरक हैं।

इसका अर्थ यह नहीं कि दोनों के बीच असमानता को स्वीकार कर लिया जाए। इसका अर्थ यह है कि समान सम्मान और समान गरिमा का रास्ता संघर्ष से नहीं, संतुलन से निकलता है। यहीं पर सनातन चिंतन आधुनिक वर्ग-संघर्ष की सोच से एक अलग रास्ता दिखाता है। सनातन के अनुसार ‘वसुधैव कुटुम्बकम्’ पूरी पृथ्वी एक परिवार है।

यह विचार मनुष्य को दूसरे मनुष्य के सामने खड़ा नहीं करता, बल्कि उसे दूसरे से जोड़ता है। ‘अहं ब्रह्मास्मि’ और ‘तत्त्वमसि’ जैसे महावाक्य भी मूलतः इसी एकत्व की ओर संकेत करते हैं मेरे भीतर जो चेतना है, वही चेतना तुम्हारे भीतर भी है। अर्थात् अंतर दिखाई दे सकता है, लेकिन अस्तित्व की मूल चेतना में एक संबंध है। यह दृष्टि कहती है कि समाज में विविधता हो सकती है, लेकिन विविधता का अर्थ विरोध नहीं है। अलग होना और विरोधी होना दो अलग बातें हैं।

विडंबना यह है कि जिस विचारधारा की शुरूआत आर्थिक शोषण के विरुद्ध हुई थी, उसके कुछ अनुयायी आज सामाजिक जीवन में पहचान आधारित संघर्ष को ही परिवर्तन का मुख्य साधन मानने लगे हैं। क्या किसी भी विचारधारा को उसके मूल चिंतन से काटकर उसकी लिटरल व्याख्या में बदल देना उचित है? यदि मार्क्स ने अंतिम व्यक्ति के अधिकार और सम्मान की बात की थी, तो अंत्योदय का अर्थ यह नहीं हो सकता कि अंतिम व्यक्ति को किसी दूसरे वर्ग के खिलाफ खड़ा कर दिया जाए। अंत्योदय का अर्थ अंतिम व्यक्ति का उदय है, किसी दूसरे व्यक्ति का पतन नहीं।



अहमदाबाद। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में साबरमती नदी पर 480 मीटर लंबा और 36 मीटर ऊंचा पुल बनकर तैयार हो गया है। यह पुल साबरमती और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित है और परियोजना के प्रमुख वाणिज्य निर्माणों में शामिल है। करीब 118 फीट ऊंचा यह पुल 12 मंजिला इमारत के बराबर है। अठारह मिनटों वाले इस पुल में लंबे स्पैन के लिए बैलेंसड कैटिलीजर तकनीक अपनाई गई। गुजरात में 21 में से 18 नदी पुल पुरे हो चुके हैं।

न्यूज़ ट्रेक

फ्रांस में शिक्षा फंडिंग को लेकर सड़कों पर उतरे लोग: पुलिस ने छोड़ी आंखु गैस
पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में स्कूलों के लिए ज्यादा फंड की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन मंगलवार को देशव्यापी प्रदर्शन में बदल गया। सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पूरे देश में 2.66 लाख लोगों ने प्रदर्शन किया, जिनमें अकेले पेरिस में 56 हजार लोग शामिल थे। छात्रों ने कई हाईस्कूलों की नाकेबंदी की, जबकि मार्सेई, स्ट्रासबर्ग और दूसरे शहरों में बड़ी संख्या में लोग इंडि और पोस्टर लेकर सड़कों पर उतरे। यह आंदोलन सितंबर के मध्य में पेरिस क्षेत्र के एक हाईस्कूल से शुरू हुआ था। अब यह राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के कार्यकाल में हुए कई बड़े प्रदर्शनों के बीच एक नए देशव्यापी आंदोलन के रूप में सामने आ रहा है। प्रदर्शन में शामिल लीआ मोनिमार्ट ने कहा कि सरकार को छात्रों की बात सुनी चाहिए, क्योंकि वे 17 साल के हैं और अपने मुद्दों को समझते हैं।

भारत-घाना की दोस्ती में नया टम अफ्रीका में बढ़ेगा भारत का प्रभाव
नई दिल्ली। भारत और घाना ने आपसी रिश्तों को और मजबूत बनाने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मिलकर काम करने, व्यापार बढ़ाने और विकास से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग का दायरा बढ़ाने पर चर्चा की है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने घाना के विदेश मंत्री डेम ओकु-बेदो अबलाक्वा से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच व्यापक साझेदारी को आगे बढ़ाने के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की। इस दौरान अफ्रीकी संघ और पश्चिम अफ्रीकी देशों के अर्थिक संगठन के साथ भारत के बढ़ते जुड़ाव पर भी जोर दिया गया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को घाना पहुंचे। यह तीन अफ्रीकी देशों की उनकी यात्रा का पहला पड़ाव है।

रूसी तट के पास तेल टैंकर पर यूक्रेनी ड्रोन से हमला: 23 भारतीय नाविक बचे मौतों, एजेंसी। ब्लैक सी (काला सागर) में रूसी तट के पास एक लाइबेरियाई ध्वज वाले तेल टैंकर पर यूक्रेनी नेवल ड्रोन से भीषण हमला हुआ है। इस जहाज पर चालक दल के रूप में सभी 23 भारतीय नाविक तैनात थे। हमले के तुरंत बाद समुद्र में फैले कच्चे तेल में भयानक आग लग गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि सभी 23 भारतीय क्रू मेंबर्स को रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाल लिया गया है। रूसी परिवहन मंत्रालय के मुताबिक, यह हमला रूस के प्रमुख रिसॉर्ट शहर सोची के पास हुआ, जिसकी आबादी लगभग पांच लाख है। यूक्रेनी समुद्री ड्रोन टकराते ही जहाज और समुद्र के पानी में कच्चे तेल के कारण भयानक लपटें उठने लगीं। आग इतनी भीषण थी कि आपातकालीन बचाव दल शुरुआत में लपटों पर काबू नहीं पा सके।

साइबेरिया में प्लेग के शक से चिंता: ट्रंप करेंगे पुतिन से बात
वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से जल्द फोन पर बात करेंगे। दोनों नेताओं के बीच रूस के साइबेरिया स्थित एक शोध संस्थान में प्लेग के संभावित मामले को लेकर चर्चा होगी। ट्रंप ने मंगलवार को कहा शरॉन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि पुतिन से इस मुद्दे पर उनकी बातचीत 'बहुत जल्द' होगी। यह मामला साइबेरिया के इल्कुत्स्क एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट से जुड़ा है। पिछले सप्ताह इस संस्थान में काम करने वाली एक महिला की मौत हो गई थी। स्वास्थ्य अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। रूसी अधिकारियों ने महिला की मौत की वजह अज्ञात कारणों से हुआ निमोनिया बताया है। इसी के बाद प्लेग के संभावित मामले को लेकर जांच शुरू हुई है। अमेरिकी खुफिया एजेंसी भी इस पर विशेष नजर बनाए रखे हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भारत ने ओआईसी को आतंकवाद पर खरी-खरी सुनाई

‘पीड़ित और अपराधी के बीच फर्क नहीं कर पा रहा ओआईसी’

□ एजेसी कोतकाता

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) की 77वीं सत्रिणी की बैठक में भारत ने इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) को खरी-खरी सुनाई है। साथ ही पाकिस्तान और गुलाम कश्मीर में आतंकवादी हथियारों के खिलाफ भारत की स्पष्ट कार्रवाई पर ओआईसी की तरफ से की गई टिप्पणियों को सिरे से खारिज कर दिया है।

पश्चिम त्रिपुरा से लोकसभा सांसद बिल्वन कुमार देव ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का पक्ष रखते हुए ओआईसी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने साफ-साफ कहा कि यह बेहद अफसोसजनक है कि ओआईसी के बयान देने वाले लोग यह तक तय नहीं कर पा रहे हैं कि आतंकवाद के लिए असल में जिम्मेदार कौन है और उसका शिकार कौन बना है। बैठक में भारत ने ओआईसी की तरफ से जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में की गई 'अनावश्यक टिप्पणियों' पर कड़ी आपत्ति जताई। भारत ने परलटवार करते हुए ओआईसी को सलाह दी कि उसे पाकिस्तान के अवैध कब्जे और रावलकोट जैसे इलाकों में हो रहे मानवाधिकारों के हनन पर ध्यान देना चाहिए।



‘सच्चाई और फिक्शन में फर्क भूल गया ओआईसी’

सांसद बिल्वन कुमार देव ने बैठक में ओआईसी को लताड़ते हुए कहा कि यह बेहद अफसोसजनक है कि ओआईसी के बयान देने वाले लोग यह तक तय नहीं कर पा रहे हैं कि आतंकवाद के लिए असल में जिम्मेदार कौन है और उसका शिकार कौन बना है। बैठक में भारत ने ओआईसी की तरफ से जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में की गई 'अनावश्यक टिप्पणियों' पर कड़ी आपत्ति जताई। भारत ने परलटवार करते हुए ओआईसी को सलाह दी कि उसे पाकिस्तान के अवैध कब्जे और रावलकोट जैसे इलाकों में हो रहे मानवाधिकारों के हनन पर ध्यान देना चाहिए।

भारत की दो टूक
देव ने दो टूक शब्दों में कहा कि इस्लाम का अध्ययन उन जगहों पर भारत की लक्षित और मापी गई कार्रवाई पर बयान दे रहा है, जो पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी टांचे के खिलाफ थीं। उन ठिकानों से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले प्लान और निर्देशित किए जाते रहे हैं।

आतंकवाद पर कोई 'अच्छा या बुरा' भेद नहीं
भाषण में भारतीय सांसद ने सीमा पार आतंकवाद को अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। इसके अलावा अप्रैल 2025 में हुए पहलगांव आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगांव हमला भारत की संरभुत्ता पर एक सुनियोजित प्रहार था, जिसे उन नेटवर्कों ने अंजाम दिया जिन्हें पश्चिमी सीमा पार से सरकारी संरक्षण, सुरक्षित ठिकाने और रसद सहायता मिलती रही है।

बारामुला में अफजल गुरु के रिश्तेदारों का अवैध शेड हटाया



बारामुला, एजेंसी
जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले में प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बनाए गए एक अवैध शेड को ध्वस्त कर दिया। यह खंभा संसद हमले के दोषी मोहम्मद अफजल गुरु के रिश्तेदारों द्वारा बनाया और इस्तेमाल किया जा रहा था। यह कार्रवाई सोपौर इलाके में राजस्व विभाग की टीम ने की।

अधिकारियों ने बताया कि शेड बाढ़ क्षेत्र की जमीन पर बनाया गया था और सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए राज्य की जमीन पर इसका निर्माण किया गया था। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग की टीम ने अवैध ढांचे को गिरा दिया। प्रशासन ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे और निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की।

मनाली दौरे पर राष्ट्रपति: अटल टनल के साथ ही हिडिंबा मंदिर भी जाएंगी मुर्मू

मनाली (कुल्लू)। एजेंसी
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अटल टनल रोहतांग का दौरा करेंगी। इसके बाद वह दौरे पर स्थित प्रसिद्ध हिडिंबा मंदिर पहुंचकर माता हिडिंबा के दर्शन करेंगी। राष्ट्रपति के मनाली दौरे को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को पूरी तरह चाक-चाबंद कर दिया है। अटल टनल और हिडिंबा मंदिर की ओर जाने वाले मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अटल टनल का दौरा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति होंगी। इससे पहले जून 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अटल टनल रोहतांग और लाहौल पहुंचे थे।

सुरक्षा में तैनात रहेंगे 600 जवान:
राष्ट्रपति की सुरक्षा को देखते हुए करीब 600 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। मनाली से



अटल टनल और मनाली से हिडिंबा मंदिर तक के मार्ग पर जगह-जगह पुलिस की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कई स्थानों पर नाके लगाए जाएंगे। राष्ट्रपति के काफिले की आवाजाही के दौरान जरूरत के अनुसार यातायात को रोक या डाइवर्ट किया जाएगा। प्रशासन ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित क्षेत्रों की ओर ना जाएं।

थाई युवती से शादी के बाद 60 लाख की ठगी

कानपुर। अनवरगंज थाना क्षेत्र में थाईलैंड निवासी युवती अपराध से 60 लाख की ठगी, धोखे से निकाह और धमोतरण के दबाव के मामले में पुलिस ने आरोपी चमड़ा कारोबारी मोहम्मद इरफान को गिरफ्तार कर लिया है। एंडोसीपी ईस्ट शिवा सिंह की पुछताछ में भावुक हुई पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने धोखे से बिजनेस तबाह कर दिया और उस पर बैंक लोन की किस्तें आ गई हैं। वह लगभग चार हजार किलोमीटर की दूरी तय करके दो दिनों से शहर में भटक रही है।



हादसा ऊधमपुर के 9,700 फीट ऊंचे स्योजधार इलाके में वीडियो कॉल से डॉक्टर को जोड़ किया इलाज

न अस्पताल, न सड़क... सेना के जवानों ने बचाई जान

ऊधमपुर। एजेंसी
9,700 फीट की ऊंचाई और स्योजधार क्षेत्र के बेहद दुर्गम जंगल... लकड़ी काटते समय एक बकसवाल महिला ऊंचाई से गिर गई। यह घटे वहीं बेहोश पड़ी रही। भारतीय सेना को खबर मिली तो जवान बचाने के लिए दौड़ पड़े। मौके पर सेना के जवानों ने वीडियो कॉल के जरिये इलाज किया। इसके बाद मौलों पैदल चलकर अस्पताल पहुंचाया। अंततः महिला की जान बचा ली गई। परिवार सेना का शुक्रगुजार है।

सेना के प्रवक्ता के अनुसार स्योजधार इलाके में तैनात जवानों को खिखार की सूचना मिली थी कि बकसवाल समुदाय की एक महिला लकड़ी काटते समय अचानक गिर गई है। उसके सिर में गहरी



और फिर दूसरी चुनौती भी पार की
घटनास्थल पर इलाज कर हासत स्थित होने के अब दूसरी बड़ी चुनौती महिला को सुरक्षित नीचे लाना था। रात के मुश्किल और उबल-खाबड हासत को देखते हुए सेना के जवानों ने अपने वार पीटर्स की मदद ली। बायल महिला को स्ट्रेचर पर सुरक्षित लाटी गया तक लेकर आए। इसी बीच, पहुंचते से आगे ले जाने और इलाज के लिए सिविल हॉस्पिटल लाटी के साथ तालमेल बिताया गया। इससे महिला की तुरंत अस्पताल भेजा जा सका।

पीड़ित परिवार का भी रखा ख्याल
सेना प्रवक्ता ने बताया कि समय पर किया गया यह विभिन्न इरादों और रसद ऑपरेशन दूरदर्शन के क्षेत्र में नमस्कार की सहायता के लिए सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

न्यूज़ ट्रेक

अमेरिका ने यूएई को 1 अरब डॉलर के हथियार सौदे को दी मंजूरी

● **वाशिंगटन।** अमेरिका ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को करीब 1 अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी दी है। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, इस सौदे के तहत यूएई को रॉकेटों के लिए अधिकतम 10,000 एडवॉंस्ट प्रिंसीपल किल वेपन सिस्टम (एपीकेडब्ल्यूएस) गाइडेंस सेक्शन उपलब्ध कराए जाएंगे। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि प्रस्तावित सौदे से यूएई की मौजूदा और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की क्षमता मजबूत होगी। इससे उसकी आत्मरक्षा क्षमता और अमेरिकी सैन्य बलों के साथ संचालनात्मक तालमेल भी बेहतर होगा। एपीकेडब्ल्यूएस प्रणाली सामान्य रूप से बिना गाइडेंस वाले रॉकेटों को सटीक निशाना लगाने वाले हथियारों में बदल देती है। इसका इस्तेमाल ड्रोन जैसे लक्ष्यों को मार गिराने में भी किया जा सकता है।

नाइजीरिया में मिलिट्री एयरक्राफ्ट क्रैश, 32 लोगों की मौत



● **नई दिल्ली।** बेनिन सिटी से लागोस जा रहा नाइजीरियाई सैन्य विमान (मिलिट्री प्लेन) सोमवार को दक्षिण-पश्चिमी ओडो राज्य में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 25 यात्रियों और सात क़ू सदस्यों की मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल के पास स्थानीय लोग जमा हो गए। एक व्यक्ति ने कहा कि इस घटना में किसी के भी जीवित बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। एविएशन मिनिस्टर फेस्टस क्रियामो ने बताया कि एयर फ़ोर्स का अल्ट्रफ़-42 विमान बेनिन सिटी से लागोस के लिए एक नियमित मिशन पर था, तभी सोमवार को एयर ट्रेफ़िक कंट्रोलर्स का उससे संपर्क टूट गया।

सड़क पर खड़े ट्रैलर में घुसी कार, 7 की मौत

● **भावनगर।** गुजरात के भावनगर-सोमनाथ नेशनल हाईवे पर मंगलवार को भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। हादसा शिव शक्ति होटल के पास हुआ, जहां तेज रफ़्तार बोलैरो एसयूवी सड़क किनारे खड़े ट्रैलर के पीछे जा टकराई। बोलैरो में अलंग शिपयार्ड के 7 कर्मचारी सवार थे। सभी काम के सिलसिले में भावनगर से अलंग शिपयार्ड जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि भारी-भरकम ट्रैलर तक के अगले पहिए टूटकर अलग हो गए थे। मृतकों की पहचान विजयभाई चंदुभाई वोरा, पीयूषभाई बिपिनचंद्र शाह, प्रितेशभाई बिपिनचंद्र भयाणी, भार्गवभाई गोसाई, हिरनभाई मेहता और योगेशभाई शाह और जयेशभाई हिम्मतभाई वसानी के रूप में हुई है।

ममदानी की जीत ने बदली यूरोप की राजनीति

वामपंथी पार्टियों ने सस्ते घर और कम किराए को मुद्दा बनाया; बर्लिन में जीत मिली

जोहरान। जोहरान ममदानी ने पिछले साल नवंबर में न्यूयॉर्क मेयर का चुनाव जीता था। उनकी जीत में महंगाई, बढ़ता किराया और रोजमर्रा का खर्च बढ़े मुद्दे रहे। उनका मैसेज था कि न्यूयॉर्क को आम लोगों के लिए सस्ता बनाया जाए। उनकी जीत का असर अब यूरोप की राजनीति में दिखने लगा है। यूरोपीय नेता ममदानी की तरह महंगे किराए, बढ़ती महंगाई और आम लोगों के खर्च पर फोकस कर रहे हैं। सबसे दिलचस्प मामला जर्मनी के बर्लिन का है। वहां महंगे घरों को मुद्दा बनाकर एलिफ एराल्प ने चुनाव जीत लिया। जर्मन मीडिया ने अब एराल्प को 'बर्लिन की ममदानी' कह रहे हैं। वहीं, फ्रांस, स्पेन और नीदरलैंड के वामपंथी नेता भी ममदानी की राजनीति पर नजर रख रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ममदानी ने यूरोप के वामपंथ को चुनाव लड़ने का नया तरीका दे दिया है।

1. जर्मनी: सस्ते घरों का वादा किया, सबसे ज्यादा सीटें मिलीं



अगर यूरोप में किसी एक नेता को ममदानी से सबसे सीधे तौर पर जोड़ा जा सकता है, तो वह एलिफ एराल्प हैं। 45 साल की एराल्प वकील हैं और तुर्की मूल के परिवार से आती हैं। उनके माता-पिता 1980 के तुर्की सैन्य तख्तापलट के बाद जर्मनी

आए थे। एराल्प 2017 में द लिंक से जुड़ी थीं। पिछले महीने हुए चुनाव में उनकी पार्टी का सबसे बड़ा मुद्दा रहा- महंगा शहर और महंगा किराया। एराल्प ने बर्लिन में निजी कंपनियों के पास मौजूद करीब 2.2 लाख मकानों को सार्वजनिक नियंत्रण में लाने

की मांग की।

इसका फायदा द लिंक को मिला। वह चुनाव में करीब 25.7 वोट मिले और वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। अब सरकार बनाने के लिए उसे दूसरी पार्टियों के साथ गठबंधन करना होगा।

2. ब्रिटेन: पर्यावरण के मुद्दे को महंगे घर से जोड़ा

लंदन के सेंट पैन्क्रास गार्डंस में भाषण देते ग्रीन पार्टी नेता जैक पोलांस्की।

लंदन के सेंट पैन्क्रास गार्डंस में भाषण देते ग्रीन पार्टी नेता जैक पोलांस्की ब्रिटेन में ममदानी से सबसे ज्यादा तुलना जैक पोलांस्की की होती है। वे ग्रीन पार्टी के नेता हैं। यह पार्टी मुख्य रूप से पर्यावरण और जलवायु के मुद्दों पर राजनीति करती रही है। लेकिन पोलांस्की ने इनका दायरा बढ़ाया है।

पोलांस्की महंगाई, महंगे घर, बढ़ते किराए, रोजमर्रा के खर्च और अमीरों पर ज्यादा टैक्स जैसे मुद्दों को पर्यावरण की राजनीति से जोड़ते हैं। पोलांस्की इसे 'इको-पॉपुलिज्म' कहते हैं।

ममदानी की तरह पोलांस्की भी सोशल मीडिया को राजनीति का अहम माध्यम बना रहे हैं। पोलांस्की ने बताया कि उनकी वीडियो टीम ममदानी के वीडियो बनाने वाली टीम से टिप्स ले रही है।

दिलचस्प बात यह है कि पोलांस्की इस समय लंदन की होलबॉर्न सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री कीर स्टर्मर के सांसद पद से हटने के बाद 8 अक्टूबर को यहां उपचुनाव हो रहा है।

दो साल पहले हुए चुनाव में ग्रीन पार्टी को यहां सिर्फ 10 फीसदी वोट मिले थे। कुछ सर्वे में अनुमान लगाया गया है कि इस बार ग्रीन को 40 फीसदी वोट मिल सकता है।

3. स्पेन: 87 साल की महिला को घर से निकाला, सरकार गिरी

होलबॉर्न और सेंट पैन्क्रास उपचुनाव से पहले लंदन में प्रचार करते ग्रीन पार्टी नेता जैक पोलांस्की। होलबॉर्न और सेंट पैन्क्रास उपचुनाव से पहले लंदन में प्रचार करते ग्रीन पार्टी नेता जैक पोलांस्की। स्पेन में महंगा घर और बढ़ता किराया इस समय बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है। पिछले महीने मैड्रिड में 87 साल की मारिकमैन अबास्कुल को 70 साल से रह रहे घर से निकाल दिया गया।

चार राज्यों में उपचुनाव, सबसे ज्यादा 83.86 प्रतिशत वोटिंग मधुरंतकम में दर्ज

नई दिल्ली। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 6 सीटों पर मंगलवार हुई वोटिंग शाम 6.00 बजे खत्म हो गई। शाम 5 बजे तक के वोटर टर्नआउट में सबसे ज्यादा 83.86% वोटिंग तमिलनाडु के मधुरंतकम में दर्ज की गई। वहीं, आम जनता उन्मयन पार्टी (AJUP) के प्रमुख और विधायक हुमायूं कबीर को बंगाल के मुर्शिदाबाद में उनके पार्टी कार्यालय से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उन पर चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। उनके बेटे गुलाम नबी आजाद भी रेजीनगर से उम्मीदवार हैं। मीडिया से बात करते हुए नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान ने आरोप लगाया है कि उनके पोलिंग एजेंट्स को जबरन उठा दिया गया था। जिन सीटों पर वोटिंग हुई, उनमें पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर, तमिलनाडु की मधुरंतकम और धारापुरम, पुडुचेरी की थंडानावावडी विधानसभा सीट और असम की नागांव लोकसभा सीट शामिल हैं। सभी सीटों के नतीजे 9 अक्टूबर को आएंगे।

व्हाइट-हाउस की नौकरी छोड़कर अब फॉक्स न्यूज जॉइन करेंगी लेविट:यह ट्रम्प का पसंदीदा चैनल; बच्चों के चलते प्रेस सेक्रेटरी का पद छोड़ा था

वाशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पूर्व प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिना लेविट अब फॉक्स न्यूज से जुड़ने जा रही हैं। लेविट ने अगस्त में अपने दो बच्चों के साथ ज्यादा समय बिताने के लिए व्हाइट हाउस का पद छोड़ा था।

अब वह नवंबर से फॉक्स न्यूज में ऑन-एयर कंट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगी। फॉक्स न्यूज को ट्रम्प का पसंदीदा चैनल माना जाता है, हालांकि हाल के दिनों में ट्रम्प ने इसकी कवरेज को लेकर नाराजगी भी जताई है।

ट्रम्प ने कहा था- लेविट को मुझसे ज्यादा अपने बच्चे पसंद

लेविट 27 साल की उम्र में अमेरिका की सबसे कम उम्र की व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी बनी थीं। उन्होंने 12 अगस्त यह पद छोड़ने का ऐलान किया था। उस समय ट्रम्प ने उन्हें अपने सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में से एक बताया था।

ट्रम्प ने उनके पद छोड़ने के बाद मजाक में कहा था,

मुझे पता चला है कि कैरोलिना लेविट मुझे पसंद करने से ज्यादा अपने बच्चों को पसंद करती हैं। मैं इसे लेकर बहुत चिंतित



हूं। लेकिन लेविट की जगह लेना आसान नहीं होगा

लेविट ने 1 मई 2026 को अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया था। इसके बाद वह मातृत्व अवकाश पर गई थीं और 16 जुलाई को प्रेस ब्रीफिंग में वापस लौटी थीं। उनका एक दो साल का बेटा भी है।

1 नवंबर से फॉक्स न्यूज पर दिखेंगी

व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी बनने से पहले लेविट ट्रम्प के 2024 के राष्ट्रपति

चुनाव अभियान की प्रेस सेक्रेटरी थीं। इससे पहले 25 साल की उम्र में उन्होंने 2022 में अपने गृह राज्य न्यू हैम्पशायर से अमेरिकी कांग्रेस का चुनाव लड़ा था। हालांकि, इस चुनाव में उन्हें हार मिली थी। फॉक्स न्यूज ने सोमवार को बताया कि लेविट 1 नवंबर से नेटवर्क में ऑन-एयर कंट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगी। नेटवर्क की छद्मह सुजैन स्कॉट ने कहा कि व्हाइट हाउस और राष्ट्रपति चुनाव अभियान में लेविट के सीधे अनुभव से उन्हें आज की राजनीति को समझने में खास मदद मिलती

है। लेविट ने भी कहा कि वह व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी के अपने अनुभव से मिली सोच को फॉक्स न्यूज के करोड़ों दर्शकों तक पहुंचाने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि वह फॉक्स के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करेंगी।

ट्रम्प की दूसरी प्रेस सेक्रेटरी भी फॉक्स में

लेविट ट्रम्प की पहली प्रेस सेक्रेटरी नहीं हैं, जो फॉक्स न्यूज से जुड़ी हैं। उनकी पूर्व प्रेस सेक्रेटरी कायले मैकएनैनी 2021 में फॉक्स न्यूज से जुड़ी थीं और अब भी नेटवर्क के साथ हैं।

इसके अलावा पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश की प्रेस सेक्रेटरी रह चुकीं डाना पेरिनो भी फॉक्स न्यूज में राजनीतिक कमेंटेटर हैं। ट्रम्प ने भी फॉक्स न्यूज के कई चेहरों को अपनी सरकार में बड़े पद दिए हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का है।

ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को हाल ही में पक्षपाती बताया

ट्रम्प और फॉक्स न्यूज के रिश्ते इन दिनों पूरी तरह सहज नहीं हैं। ट्रम्प ने हाल ही में नेटवर्क की कवरेज को लेकर नाराजगी

जताई है। ट्रम्प ने रविवार को फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम %फॉक्स एंड फ्रेंड्स% पर उनकी रैलियों को पर्याप्त कवरेज नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें यह देखकर दुख हुआ कि शनिवार रात ओहायो में हुई उनकी बड़ी रैली की कवरेज नहीं की गई।

ट्रम्प ने फॉक्स को चेतावनी देते हुए कहा कि नेटवर्क ने पहले भी ऐसा किया था और तब वह लगभग कारोबार से बाहर हो गया था। चुनाव से ठीक पहले ऐसा दोबारा हो सकता है।

मीडिया से ट्रम्प का टकराव बढ़ा

ट्रम्प का इन दिनों कई अमेरिकी मीडिया संस्थानों से टकराव बढ़ गया है। हाल में उन्होंने छद्मह, स्फ हद्दहू और क्षद्दहद्दह्ध को व्हाइट हाउस परिसर में आने से रोकने की कोशिश की। उन्होंने छद्मह को व्हाइट हाउस के ब्रॉडकास्ट पूल से भी बाहर रखने की कोशिश की।

हालांकि, अमेरिकी फेडरल कोर्ट के जज टिमोथी जे. केली ने 24 सितंबर को इस आदेश के खिलाफ अस्थायी रोक जारी की थी। मीडिया संस्थानों ने अंतिम फैसला आने तक राहत की मांग की है।

शिवसेना चुनाव चिह्न विवाद:सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-

संवैधानिक पाप करने वालों को ही पार्टी का निशान क्यों मिले

■ **एजेन्सी, नई दिल्ली**

सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना के चुनाव चिह्न विवाद पर सुनवाई की। कोर्ट ने पूछा कि दल-बदल करने वालों के लिए पार्टी के निशान की भावना कैसे लागू होगी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने यह सवाल उठाया। बेंच एकनाथ शिंदे गुट को धनुष-बाण निशान देने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई में शिंदे गुट के वकील नीरज किशन कौल ने दलीलों दीं।



उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का विधायी बहुमत के आधार पर फैसला लेना कानूनी रूप से सही और प्रासंगिक था। कोर्ट ने पहले भी पूछा था कि क्या चुनाव आयोग दोनों गुटों को आरक्षित धनुष-बाण निशान देने से इनकार कर सकता था।

भौतिकी के क्षेत्र में अहम खोज के लिए फ्रांसिस हैल्जेन को मिला नोबेल पुरस्कार

वाशिंगटन। अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन में प्रोफेसर फ्रांसिस हैल्जेन ने भौतिका का नोबेल पुरस्कार जीता है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने 2026 का यह पुरस्कार फ्रांसिस हैल्जेन को उनके आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी में अहम योगदान और एस्ट्रोफिजिकल मूल वाले हाई-एनर्जी न्यूट्रिनो की खोज के लिए देने का फैसला किया है। नोबेल पुरस्कार वेबसाइट के मुताबिक, फ्रांसिस हैल्जेन को एहसास हुआ कि साउथ पोल पर मौजूद बर्फ का इस्तेमाल न्यूट्रिनो नाम के कणों को ट्रैक करने के लिए किया जा सकता है। इसमें उनकी सोच और वैज्ञानिक नेतृत्व आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी के लिए बहुत अहम रहे हैं, यह एक क्यूबिक किमी बफोर्ला इलाका है जिसमें लाइट सेंसर लगे हैं। आइसक्यूब का इस्तेमाल करके, रिसर्चर दूर के ब्रह्मांड में बहुत अधिक ऊर्जा वाली प्रक्रियाओं से निकलने वाले न्यूट्रिनो को पकड़ सकते हैं।



बदहाल स्कूल व्यवस्था को लेकर युवा उतरे सड़कों पर, हिंसक हुआ आंदोलन

■ **एजेन्सी, पेरिस**

फ्रांस इन दिनों ऐसे छात्र आंदोलन से जूझ रहा है, जिसने राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों की सरकार को गंभीर राजनीतिक चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। सितंबर के मध्य में पेरिस के आसपास शुरू हुआ हाईस्कूल छात्रों का आंदोलन अब देशव्यापी हो चुका है। शिक्षकों की कमी, भीड़भरी कक्षाएं, जर्जर स्कूल भवन, लंबे स्कूल घंटे, गर्मी में खराब सुविधाएं और शिक्षा में बढ़ती असमानता इस आंदोलन के मुख्य कारण हैं। लेकिन पिछले कुछ दिनों में आंदोलन के हिंसक होने, पुलिस कार्रवाई और राजनीतिक हस्तक्षेप ने इसे शिक्षा के सवाल से आगे बढ़ाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ व्यापक असंतोष का रूप दे दिया है।



17 सितंबर से शुरू हुई आंदोलन की शुरुआत

मौजूदा आंदोलन की शुरुआत 17 सितंबर 2026 को पेरिस के नजदीक Créteil de Saint-Exupéry हाईस्कूल से हुई। वहां छात्रों ने शिक्षकों की कमी और स्कूल में संसाधनों की कमी को लेकर विरोध शुरू किया। शुरुआत में यह स्थानीय आंदोलन था, लेकिन धीरे-धीरे पेरिस के दूसरे इलाकों में फैल गया। छात्रों ने स्कूलों के गेट पर बैरिकेड लगाए, कक्षाओं का बहिष्कार किया और स्कूल परिसरों के बाहर धरने शुरू किए। 28 सितंबर को छात्र संगठनों ने देशव्यापी स्कूल ब्लॉकड का आह्वान किया, जिसके बाद आंदोलन तेजी से फैल गया।

शिक्षकों की भारी कमी

छात्रों की सबसे बड़ी शिकायत है कि स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं। शिक्षक छुट्टी पर जाते हैं तो उनकी जगह कई बार दूसरे शिक्षक नहीं आते। इसका सीधा असर पढ़ाई पर पड़ रहा है। फ्रांस सरकार की अपनी रिपोर्ट के मुताबिक 2024-25 के दौरान सरकारी माध्यमिक स्कूलों में 9.8 प्रतिशत शिक्षण घंटे उपलब्ध ही नहीं हो पाए। इनमें 7.5 प्रतिशत घंटे अनुपस्थित शिक्षकों की जगह शिक्षक नहीं मिलने के कारण और 2.3 प्रतिशत स्कूल बंद रहने के कारण प्रभावित हुए। यानी छात्रों का यह आरोप केवल राजनीतिक नारा नहीं है कि उन्हें नियमित पढ़ाई नहीं मिल रही। कई स्कूलों में कक्षाओं में छात्रों की संख्या बहुत अधिक है। छात्रों का कहना है कि जब एक कक्षा में करीब 40 बच्चे हों और शिक्षक भी कम हों तो व्यक्तिगत ध्यान और पढ़ाई की गुणवत्ता दोनों प्रभावित होते हैं।

न्यूज़ ट्रेक

आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की द्वादशी तिथि है। इस तिथि पर मघा नक्षत्र और शुभा योग का विशेष संयोग बन रहा है। चंद्रमा का गोचर सिंह राशि में रहेगा। सिंह राशि के स्वामी ग्रह सूर्य देव होते हैं। अभिजीत मुहूर्त, राहुकाल और दिनभर के शुभ-अशुभ समय के बारे में।

तिथि-द्वादशी-23:18 तक
नक्षत्र-मघा-21:38 तक
प्रथम करण-कोवाला-11:55 तक
द्वितीय करण-वैतिल-23:18 तक

पक्ष-कृष्ण
वार-बुधवार
योग-शुभा-26:45 तक
सूर्योदय-06:17
सूर्यास्त-17:53
चंद्रमा-सिंह राशि में
राहुकाल-12:05- 13:32
विक्रमी संवत-083शक संवत 1948-पराभव
मास-आश्विन
शुभ मुहूर्त-अभिजीत-कोई नहीं

राशिफल

मेष: आज का दिन आपको काफी व्यस्त रखने वाला है। एक साथ कई काम सामने आ सकते हैं।

वृष: आज सुस्ती छोड़कर पूरे उत्साह के साथ काम करने की जरूरत है।

मिथुन: आज नई शुरुआत के लिए दिन उत्साह बढ़ाने वाला है।

कर्क: आज आपका मन दूसरों के लिए कुछ करने और जरूरतमंदों की सहायता करने में लगेगा।

सिंह: आज मेहनत के अच्छे परिणाम मिल सकते हैं, हालांकि कार्यक्षेत्र में किसी के साथ थोड़ी नोकझोंक होने की संभावना है।

कन्या: आज कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

तुला: आज जल्दबाजी के बजाय सोच-विचार करके कदम उठाना आपके लिए बेहतर रहेगा।

वृश्चिक: आज आपको आगे बढ़ने और अपनी स्थिति मजबूत करने के कई अवसर मिल सकते हैं।

धनु: आज का दिन आपके लिए सुखद अनुभव लेकर आ सकता है।

मकर: आज का दिन आपके लिए सुखद अनुभव लेकर आ सकता है।

कुंभ: आज आप ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरे नजर आएंगे।

मीन: आज का दिन मन को सुकून देने वाला रहेगा। परिवार के साथ बैठकर पुराने मतभेदों को खत्म करने और रिश्तों में फिर से मिठास लाने का मौका मिलेगा।

महंगाई के बीच एफडीज पर ज्यादा ब्याज मिलेगा:रेपो रेट बढ़ने से बैंक भी ब्याज दरें बढ़ाएंगी; जानें एफडी को फिर से इन्वेस्ट कैसे करें

नई दिल्ली। महंगाई कंट्रोल करने के लिए रिजर्व बैंक ने रेपो रेट 0.25ब बढ़ाकर 5.50ब कर दिया है। इससे एक तरफ जहाँ लोन महंगे होंगे, वहीं दूसरी तरफ बैंक जल्द ही अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरें भी बढ़ाएंगी।

हालांकि, जिन लोगों ने पहले से फिक्स्ड डिपॉजिट करा रखा है, उन्हें इसका तुरंत फायदा नहीं मिलेगा और उन्हें पुरानी दर पर ही ब्याज मिलता रहेगा। आइए समझते हैं कि रिजर्व बैंक के इस फैसले से नए और पुराने स्रष्ट ग्राहकों पर क्या असर पड़ेगा और वे इससे ज्यादा-से-ज्यादा मुनाफा कैसे उठा सकते हैं।

पुरानी एफडी पर तुरंत असर नहीं पड़ेगा

अगर आपने पहले से ही कोई स्रष्ट करवा रखी है, तो आरबीआई के रेपो रेट बढ़ाने से उसकी ब्याज दर तुरंत बदलेगी। जब आप बैंक में स्रष्ट बुक करते हैं, तो उस समय तय की गई ब्याज दर पूरे टैन्डोर (अवधि) के लिए लॉक रहती है। इसलिए पुरानी एफडी पर वही ब्याज मिलता रहेगा, जिस रेट पर उसे शुरू किया गया था। रेपो रेट में बढ़ोतरी का फायदा सिर्फ नई स्रष्ट बुक करने पर या पुरानी स्रष्ट के मैच्योर होने के बाद उसे रिन्यू कराने पर ही मिलेगा।

बैंक एफडी की ब्याज दरें कब बढ़ाएंगे?

बैंकबाजार के छद्महा आदिल शेठ्टी का कहना है कि ऋद्ध का रेपो रेट बढ़ाकर 5.50ब करने का फैसला

ओप्पो ने लॉन्च किए एफ 35 प्रो 5जी और एफ 35 5जी

■ एजेन्सी, जयपुर

भारत में ओप्पो की एफ सीरीज के 10 वर्ष पूरे होने के मौके पर कंपनी ने एफ 35 सीरीज लॉन्च की है।

इसमें ओप्पो एफ 35 प्रो 5जी और ओप्पो एफ 35 5जी शामिल हैं। कंपनी के अनुसार एफ सीरीज ने पहली पीढ़ी के एफ1 के साथ सेल्फी एक्सपर्ट के तौर पर शुरुआत की थी और अब एफ 35 सीरीज के साथ ग्रुप



सेल्फी एक्सपर्ट के रूप में आगे बढ़ रही है। ओप्पो इंडिया के प्रमुख-संचार गोलडी पटनायक

ने बताया कि नई सीरीज में 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड नेचुरल सेल्फी कैमरा दिया गया है, जिसका 100 डिग्री फोल्ड ऑफ व्यू है। इससे एक फ्रेम में अधिक लोगों और पलों को शामिल किया जा सकेगा। कंपनी के अनुसार पिछले 10 वर्षों में भारत में एफ सीरीज के 3 करोड़ से अधिक स्मार्टफोन बिक चुके हैं। ओप्पो एफ 35 प्रो 5जी के 6 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वाले मॉडल की कीमत

45,999 रुपए, 8 जीबी रैम और 128 जीबी मॉडल की कीमत 49,999 रुपये तथा 8 जीबी रैम और 256 जीबी मॉडल की कीमत 54,999 रुपये रखी गई है। वहीं ओप्पो एफ 35 5जी का 6 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज मॉडल 38,999 रुपए तथा 8 जीबी रैम और 128 जीबी मॉडल 42,999 रुपए में उपलब्ध होगा।

ओप्पो एफ 35 सीरीज की बिक्री 11 अक्टूबर 2026 से मुख्य खुदरा दुकानों, ओप्पो

इंडिया ई-स्टोर, फ्लिपकार्ट और अमेजन पर शुरू होगी। एफ 35 प्रो 5जी सनराइज ऑरेंज, वेव ब्लू और दिवलाइट ब्राउन रंगों में, जबकि एफ 35 5जी वेव ब्लू, टाइटेनियम ग्रे और मिस्ट पिंक रंगों में उपलब्ध होगा। ग्राहकों को 10 प्रतिशत तक तत्काल नकद छूट, बिना अतिरिक्त ब्याज वाली किस्त सुविधा, 10 प्रतिशत तक एक्सचेंज बोनस और शून्य अग्रिम भुगतान योजना का लाभ मिलेगा।

आईसीआईसीआई बैंक ने फेस्टिव बोनांजा की फिर की शुरुआत

मुंबई: आईसीआईसीआई बैंक ने अपने वार्षिक फेस्टिव बोनांजा ऑफर की फिर शुरुआत की है। इसके तहत ऑनलाइन खरीदारी, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, यात्रा, फर्नीचर और होम डेकोर, फैशन, विक्क कॉर्मास सहित कई क्षेत्रों के प्रमुख ब्रांड्स पर आकर्षक ऑफर दिए जा रहे हैं। ग्राहक आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, कार्डलेस ईएमआई और नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्पों के जरिए विशेष ऑफर, छूट और कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं। बैंक ने फ्लिपकार्ट के साथ साझेदारी की है।

फ्लिपकार्ट की ह्यबि बिलियन डेज सेल 8 अक्टूबर 2026 से शुरू होगी। इस दौरान ग्राहक विभिन्न उत्पादों की खरीदारी पर 10% की छूट का लाभ उठा सकेगें।

बैंक नए आईफोन आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स पर 7,000 रुपये तक का तत्काल कैशबैक दे रहा है और चुनिंदा एप्पल उत्पादों पर 15,000 रुपये तक का कैशबैक भी मिलेगा। आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्डधारक विशेष रूप से एप्पल के ह्यआईफोन फॉर लाइफह्क कार्यक्रम का विकल्प चुन सकते हैं।

शेयर बाजार, सेंसेक्स 685 अंक उछला निफ्टी 220 अंक ऊपर

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

शेयर बाजार हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बुधवार को भी बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। बाजार के दोनों प्रमुख संवेदी सूचकांक में तेजी रही। सेंसेक्स 685 अंक उछलकर 73,068 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 220 अंकों का इजाफा हुआ।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 685.34 अंक यानी 0.95 फीसदी की तेजी के साथ 73,067.81 के स्तर पर बंद हुआ है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 220.35 अंक यानी 0.98 फीसदी बढ़कर 22,776.10 के स्तर पर बंद हुआ। निवेशकों को बिकवाली के दबाव में कमी आने से कुछ राहत

मिली। बाजार में यह तेजी व्यापक स्तर पर देखी गई। आरआईएल और एचयूएल के शेयरों में तीन फीसदी की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई। भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे कमजोर होकर 96.43 पर बंद हुआ है। हालांकि, बाजार की चुनौतियां अभी बनी हुई हैं, जिससे निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बीएसई का सेंसेक्स 472.77 अंक यानी 0.66 फीसदी की उछाल के साथ 72,382.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी भी 133.80 अंक यानी 0.60 फीसदी की बढ़त के साथ 22,555.75 अंक पर बंद हुआ था।

'टाटा पावर सोलररूफ' ने चालू वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में शानदार तेजी दर्ज की

■ एजेन्सी, मुंबई

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (TPREL) की एक शाखा और देश की नंबर-1 भरोसेमंद रूफटॉप सोलर कंपनी 'टाटा पावर सोलररूफ' ने चालू वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही (जुलाई-

सितंबर) में शानदार तेजी दर्ज की है। इस दौरान कंपनी ने रिकॉर्ड 88,397 रूफटॉप सोलर लगाए, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 66,447 इंस्टॉलेशन के मुकाबले 33% की मजबूत सालाना बढ़ोतरी है। वहीं, कंपनी की संबद्ध स्थापित क्षमता भी पिछले साल के 369

मेगावाट-पीक से 15% बढ़कर 426 मेगावाट-पीक पर पहुंच गई।

इसके साथ ही, कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। मजबूत इंस्टॉलेशन ग्रोथ के दम पर कंपनी ने क्षमता के मामले में 25% की शानदार बढ़ोतरी हासिल की है।

मस्क के स्टारलिनक की एंट्री भारत में लगभग तय

कंपनी बोली- 20 ग्राउंड स्टेशन और सैकड़ों एंटीना तैयार, सिर्फ आखिरी सरकारी मंजूरी का इंतजार



का प्रोजेक्ट है, जो सैटेलाइट्स के जरिए हाई-स्पीड इंटरनेट देता है। इसके सैटेलाइट्स पृथ्वी के करीब घूमते हैं, जिससे इंटरनेट तेज और स्मूथ चलता है। ये खासकर उन इलाकों के लिए फायदेमंद हैं, जैसे गांव या पहाड़, जहां आम इंटरनेट नहीं पहुंचता।

सवाल 2: स्टारलिनक को लाइसेंस मिलने में इतना वक्त क्यों लगा

जवाब: स्टारलिनक 2022 से कोशिश कर रही थी, लेकिन सिक्योरिटी चिंताओं की वजह से देरी हुई। भारत सरकार ने डेटा सिक्योरिटी और कॉल इंटरसेप्शन जैसी शर्तें रखी

थीं। स्टारलिनक ने इन शर्तों को माना। अब सर्विसेज शुरू होने वाली हैं।

सवाल 3: आम लोगों को क्या फायदा होगा

जवाब: स्टारलिनक से गांवों और दूर-दराज के इलाकों में इंटरनेट पहुंचेगा, जिससे ऑनलाइन एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, और बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, टेलीकॉम मार्केट में प्रतिस्पर्धा बढ़ने से सस्ते और बेहतर प्लान्स मिल सकते हैं।

सवाल 4: भारत मस्क के लिए क्यों जरूरी ह

जवाब: भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इंटरनेट मार्केट है। मस्क के लिए ये लाइसेंस बड़ी

हिससे में शहरी खपत मजबूत हुई। इससे अप्रैल के बाद से वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद औद्योगिक गतिविधियां उम्मीद से बेहतर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष

2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही है। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.7 रही थी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 7.1 फीसदी थी।

विश्व बैंक की जारी रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआत में ग्रामीण खपत शहरी मांग से आगे रही। इसे कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन, ग्रामीण आय सहायता, खाद्य सब्सिडी और कम मुद्रास्फीति से समर्थन मिला है। आयकर में राहत और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती के बाद साल के बाकी बचे



फल्गु के तट पर पितरों का स्मरण

गया में पिंडदान की परंपरा, पौराणिक मान्यताएं और मोक्ष से जुड़ी आस्था

फल्गु नदी का शांत तट... हाथों में तिल, कुश और जल... मंत्रोच्चार के बीच पूर्वजों का स्मरण। पितृ पक्ष में गया का वातावरण कुछ ऐसा ही दिखाई देता है। देश के कोने-कोने से लोग यहां पहुंचते हैं किसी पिता के लिए, किसी मां की स्मृति में, तो कोई अपने उन पूर्वजों के लिए जिन्हें उसने शायद देखा भी नहीं। उद्देश्य एक ही होता है यानी पितरों की शांति और उनके प्रति कृतज्ञता।

हिंदू परंपरा में पितृ पक्ष को पूर्वजों के स्मरण और उनके निमित्त श्राद्ध, तर्पण तथा पिंडदान का समय माना गया है। देश में इसके लिए कई तीर्थस्थल हैं, लेकिन बिहार का गया धाम सबसे प्रमुख स्थानों में गिना जाता है। सवाल उठता है कि आखिर गया में किया गया पिंडदान इतना विशेष क्यों माना जाता है?

मोक्ष से जुड़ी है आस्था

धार्मिक मान्यताओं में गया को पितृ मुक्ति की भूमि कहा गया है। विष्णु पुराण और वायु पुराण में गया की महिमा का वर्णन मिलता है। मान्यता है कि यहां भगवान विष्णु का वास है और उनके चरणविह्व से जुड़ा विष्णुपद मंदिर इस तीर्थ की धार्मिक पहचान का केंद्र है। इसी आस्था के कारण गया में पिंडदान को विशेष महत्व मिला। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां विधि-विधान से श्राद्ध और पिंडदान करने से दिवंगत पूर्वजों को शांति और मुक्ति प्राप्त होती है। पितरों के तृप्त होने को परिवार के सुख, शांति और समृद्धि से भी जोड़ा जाता है।

पितृ ऋण से मुक्ति की धारणा

हिंदू दर्शन में मनुष्य पर देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण की अवधारणा मिलती है। पूर्वजों के प्रति अपने दायित्वों की पूर्ति को पितृ ऋण से मुक्ति का माध्यम माना गया है। गया में पिंडदान इसी भाव से जुड़ा है। धार्मिक मान्यता है कि पिंडदान से दिवंगत आत्मा को मोक्ष का मार्ग मिलता है और वंशज पितृ ऋण से मुक्त होते हैं। इसके साथ ही परिवार में सुख-शांति, आरोग्य और समृद्धि की कामना भी की जाती है।

अनुष्ठान में भी अनुशासन

गया में पिंडदान के दौरान धार्मिक परंपराओं के अनुसार सात्विक जीवन और शुद्ध आवरण पर जोर दिया जाता है। अमतौर पर सफेद या पीले वस्त्र धारण करने की परंपरा है। काले और नीले वस्त्रों से परहेज किया जाता है। अनुष्ठान की अवधि में मांस, मदिरा, प्याज और लहसुन जैसे खाद्य पदार्थों का त्याग करने की मान्यता है। पिंडदान की विधि स्थानीय परंपराओं के अनुसार किया जाता है। श्रद्धालुओं के लिए बेहतर है कि वे अनुष्ठान से पहले विश्वसनीय पुरोहित से पूरी विधि और आवश्यक नियमों की जानकारी लें।

सात पीढ़ियों के उद्धार की मान्यता

गया के पिंडदान से जुड़ी सबसे चर्चित मान्यताओं में सात पीढ़ियों के उद्धार की धारणा भी शामिल है। धार्मिक परंपराओं में कहा गया है कि यहां पिंडदान करने से केवल निकटतम पूर्वज ही नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों तक के पितरों को इसका आध्यात्मिक लाभ मिलता है। गरुड़ पुराण से जुड़ी मान्यता में 108 कुल और सात से अधिक पीढ़ियों के उद्धार का उल्लेख मिलता है। हालांकि यह विषय धार्मिक विश्वास और आस्था से जुड़ा है, लेकिन यही मान्यता गया को पितृ कर्म के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में स्थान देती है। पितृ पक्ष में देशभर से श्रद्धालुओं का यहां पहुंचना इसी गहरी आस्था का प्रमाण है।

श्रीराम ने भी किया था पिंडदान

गया की पिंडदान परंपरा को और गहराई देने वाली एक प्रसिद्ध पौराणिक कथा भगवान श्रीराम से जुड़ी है। मान्यता है कि त्रेता युग में श्रीराम ने माता सीता और लक्ष्मण के साथ फल्गु नदी के तट पर अपने पिता राजा दशरथ का पिंडदान किया था। यह कथा केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि गया की सांस्कृतिक स्मृति का भी हिस्सा है। फल्गु का तट आज भी उन अनुष्ठानों का साक्षी बनता है, जहां लोग अपने पूर्वजों को याद करते हुए पिंड अर्पित करते हैं।

परंपरा से जुड़ा एक भाव

गया में पिंडदान को केवल कर्मकांड के रूप में देखना इस परंपरा के भावनात्मक पक्ष को छोटा कर देता है। इसके केंद्र में अपने उन लोगों को याद करने की भावना है, जिसे वर्तमान पीढ़ी का अस्तित्व जुड़ा है। फल्गु के तट पर जब कोई व्यक्ति अपने पूर्वज का नाम लेकर तर्पण करता है, तो वह माने अतीत और वर्तमान के बीच एक अदृश्य पुल बना रहा होता है। शायद यही कारण है कि सदियों बाद भी पितृ पक्ष में गया की ओर जाने वाली राह श्रद्धालुओं से भरी रहती है। यहां पिंडदान केवल मुक्ति की कामना नहीं, पूर्वजों के प्रति स्मरण, श्रद्धा और कृतज्ञता की एक जीवित परंपरा बन जाता है।



रोना कमजोरी नहीं, मन की जरूरत

भावनात्मक बोझ हल्का करते हैं

आंसू

कभी दुख में आंखें भर आती हैं, कभी गुस्से में आंसू निकल पड़ते हैं और कभी खुशी इतनी ज्यादा होती है कि आंखें नम हो जाती हैं। समाज में लंबे समय से रोने को कमजोरी समझा जाता रहा है, खासकर पुरुषों से कहा जाता है कि

वे अपनी भावनाएं न दिखाएं। लेकिन मनोविज्ञान और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार रोना इंसानी भावनाओं की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। इसे हमेशा कमजोरी मानना सही नहीं है। हालांकि रोने को मानसिक तनाव का इलाज समझना भी उचित नहीं होगा।

कब हो सकता है चिंता का कारण है?

रोना सामान्य भावनात्मक प्रतिक्रिया है, लेकिन लगातार उदासी, बार-बार बिना स्पष्ट कारण रोना, रोजमर्रा के काम प्रभावित होना या भावनाओं को संभालना मुश्किल होना चिंता का कारण हो सकता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है। अगली बार आंखों में आंसू आए तो खुद को कमजोर समझने की जरूरत नहीं। कभी-कभी रोना भावनाओं को स्वीकार करने और मन को संभालने की प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। लेकिन लगातार तनाव या उदासी बनी रहे तो सिर्फ रोने पर निर्भर रहने के बजाय उचित मदद लेना जरूरी है।



आंसू मांगते हैं साथ

रोना केवल भावनाओं को बाहर निकालने का माध्यम नहीं है। यह आसपास के लोगों को यह संकेत भी दे सकता है कि व्यक्ति भावनात्मक रूप से परेशान है और उसे सहारे की जरूरत है। आंसू कई बार सामने वाले में सहानुभूति और मदद की भावना पैदा करते हैं। इसलिए कोई करीबी व्यक्ति रो रहा हो तो उसे तुरंत 'चुप हो जाओ' कहने के बजाय उसकी बात सुनना और उसके साथ बने रहना ज्यादा मददगार हो सकता है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

अमिताभ की फरमाइश पर माधुरी ने छेड़ी कथक की ताल, ‘काहे छेड़ छेड़ मोहे’ पर झूम उठा मंच

मुंबई। बॉलीवुडकी मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने लोकप्रिय प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम ‘कौन बनेगा करोड़पति’ में अपनी खास मौजूदगी से माहौल को यादगार बना दिया। अमिताभ बच्चन के जन्मदिन विशेष समारह में पहुंची माधुरी से बिग बी ने जब नृत्य की फरमाइश की तो कार्यक्रम का माहौल अचानक सुर और ताल से भर गया। माधुरी ने अपनी शास्त्रीय नृत्य शैली और भाव-भंगिमाओं से सभी का मन मोह लिया।

अमिताभ ने की नृत्य की फरमाइश- कार्यक्रम के दौरान अमिताभ बच्चन ने माधुरी दीक्षित से नृत्य करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि माधुरी के लिए एक गीत बजाया जाए। इसके बाद जैसे ही ‘काहे छेड़ छेड़ मोहे’ की धुन शुरू हुई, माधुरी



ने अपनी जगह पर बैठे-बैठे ही नृत्य की मुद्राएं प्रस्तुत करने शुरू कर दीं। माधुरी ने अपने चेहरे के भाव, हाथों की मुद्राओं और कथक की खूबसूरत झलक से इस छोटी-सी प्रस्तुति को खास बना दिया।

उत्कृष्ट प्रस्तुति देखकर दर्शक भी मंत्रमुग्ध नजर आए। वहीं अमिताभ बच्चन लगातार उनकी प्रस्तुति को गौर से देखते रहे और तालियां बजाकर अभिनेत्री का उत्साह बढ़ाया।

बिग बी ने की जमकर तारीफ- प्रस्तुति खत्म होने के बाद अमिताभ बच्चन माधुरी की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पाए। उन्होंने कहा, -वाह! क्या बात है... अविश्वसनीय माधुरी!- अमिताभ की इस प्रशंसा पर माधुरी मुस्कुराती नजर आईं। दोनों दिग्गज कलाकारों की यह खूबसूरत मुलाकात कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों के दिल भी खास पल बन गई। माधुरी और अमिताभ को शानदार मौजूदगी ने मनोरंजन के साथ-साथ हिंदी सिनेमा की पुरानी यादों को भी ताजा कर दिया।

‘देवदास’ से जुड़ा है जीत

जिस गीत पर माधुरी ने नृत्य की झलक दिखाई, वह वर्ष 2002 में प्रदर्शित संरक्ष लीला भस्मती की चर्चित फिल्म ‘देवदास’ का है। फिल्म में माधुरी ने छंदमुखी की भूमिका निभाई थी। इस गीत में उनके कथक नृत्य और भाव-भंगिमाओं ने दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी। गीत का संगीत इरमाहल दत्तार ने तैयार किया था, जबकि इसके बोल नूसरत बद्र ने लिखे थे। गीत को पंडित बिरजू महाराज और पणित कृष्णमूर्ति ने स्वर दिया था। इसकी नृत्य रचना भी कथक के दिग्गज कलाकार पंडित बिरजू महाराज ने की थी। माधुरी दीक्षित जल्द ही ‘कौन बनेगा करोड़पति’ के मराठी रूपांतरण ‘कौण होणार करोड़पति’ में प्रस्तोता की भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके साथ ही वह प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम की दुनिया में एक नई भूमिका के साथ वापस करेंगी।

बिग बॉस 20 से बाहर आते ही रीति तिवारी ने खोले दिल के राज, बोली-

किया, जो शायद काफी समय से उनके अंदर मौजूद था। रीति ने अपनी बिग बॉस जर्नी को आत्ममथन का अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के भीतर कुछ ऐसी बातें होती हैं, जिन्हें वह बदलना चाहता है या जिनमें सुधार की गुंजाइश होती है। शो के दौरान उन्हें अपने व्यवहार और भावनाओं को करीब से समझने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि घर में जाने से पहले वह अपनी कुछ कमियों से पूरी तरह परिचित नहीं थीं। लेकिन वहां के माहौल और अलग-अलग परिस्थितियों



ने उन्हें यह समझने में मदद की कि उन्हें खुद में किन बदलावों की जरूरत है। रीति ने अपनी मां से मिली सीख का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उनकी मां हमेशा उन्हें अपने भावनाओं को दिमाग पर रखी नहीं होने देने की सलाह देती थीं। बिग बॉस के घर में उन्हें इस सीख की अहमियत और ज्यादा महसूस हुई। रीति ने माना कि वह कुछ कमियों के साथ शो में आई थीं और अब उन पर काम करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी गलतियों को नकारने के बजाय उन्हें सीख का जरिया बताया।



RAFTAAR MEDIA
Satellite News Channel 24X7

Also Available on All Leading MSO & OTT Platform

सच के साथ














Also Available on cable network





















www.raftaarmedia.com

21 साल की शानदार कहानी का अंत, आंखों में आंसू, पैरों में वही जादू...

जीत और भावुक पलों के साथ मेसी का इंटरनेशनल करियर खत्म

ब्यूनस आयर्स, एर्जेन्टी

जिस पल का दुनिया भर के फुटबॉल प्रशंसकों को लंबे समय से डर था, वह आखिर आ गया। अर्जेन्टीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपने 21 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को भावुक लेकिन बेहद शानदार अंताज में अलविदा कह दिया। ब्यूनस आयर्स के ऐतिहासिक मॉन्टेव्हेंटल स्टेडियम में खेले गए अंरने आखिरी मुकाबले में अर्जेन्टीना ने बेनिन को 3-0 से हराया और मेसी ने एक गोल तथा दो असिस्ट के साथ अपने अंतिम मैच को यादगार बना दिया। राष्ट्रपति के दौरान छलक पड़े आंसू- मैच शुरू होने से पहले ही मेसी भावुक नजर आए। स्टेडियम की ओर जाते समय वह आंसू पीछे दिखई फिर और राष्ट्रपति के दौरान भी उनकी आंखें नम थीं। 35 हजार से अधिक दर्शकों से ख्वाबख्ब भरे मॉन्टेव्हेंटल में हर तरफ सिर्फ एक ही नाम गूंज रहा था-मेसी... मेसी... मेसी। मैच के

10वें मिनट में खेल रोल्कर उन्हें खिलेय सम्मान भी दिया गया। मैच के बाद ड्रैन रो के जरिए आसमान में मेसी की तस्वीर और उनके शानदार करियर के लिए श्रध्दाध्व सहित भी प्रदर्शित किया गया। यह सिर्फ एक फुटबॉल मैच नहीं, बल्कि अर्जेन्टीना के सबसे बड़े खेल नाककों में से एक को विदाई देने का ऐतिहासिक समारोह बन गया।

48वें मिनट से शुरू हुआ मेसी का आखिरी जादू

मैच के पहले हाफ में दोनों टीम गोल नहीं कर सकीं, लेकिन दूसरे हाफ में अर्जेन्टीना ने पूरी तरह तस्वीर बदल दी। 48वें मिनट में मेसी के कर्बौर पर निकोलस ओस्टामेंटी ने गोल कर टीम को बहुत दिलाई। इसके बाद 61वें मिनट में मेसी ने निको पाज को गोल करने में मदद की। 71वें मिनट में पेनल्टी की गोल में बदल्कर मेसी ने स्कोर 3-0 कर दिया। यानी अपने आखिरी मैच में वह अर्जेन्टीना के तीनों गोलों में सीधे सहभिल रहे।



208 मैच, 126 गोल और 70 असिस्ट

अर्जेन्टीना की जर्सी में मेसी का करियर 2005 में शुरू हुआ था। हजरी के खिलाफ अपने डेब्यू में रेड कार्ड मिलने के बाद शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह खिलाड़ी अभी चलकर फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा नाम बनेगा। 21 साल बाद मेसी ने 208 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 126 गोल और 70 असिस्ट के साथ विदाई ली। वह अर्जेन्टीना के सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। मेसी का अंतरराष्ट्रीय करियर सिर्फ ख्तिगत रिकॉर्ड का नहीं, बल्कि अर्जेन्टीना की ऐतिहासिक सफलताओं का भी भाग रहा। उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता।

रणजी में वापसी का इंतजार बढ़ा, सूर्यकुमार यादव को मुंबई की टीम में नहीं मिली जगह



नई दिल्ली। , एर्जेन्सी

भारतीय टी20 टीम के पूर्व कप्तान सूर्यकुमार यादव की खेल क्रिकेट में वापसी फिरहाल टल गई है। रणजी ट्रॉफी 2026-27 के शुरूआती मुकाबले के लिए मुंबई की घोषित टीम में सूर्यकुमार को जगह नहीं मिली है। खास बात यह है कि सूर्यकुमार पूरे रणजी सत्र में मुंबई के लिए खेलना चाहते थे और उन्होंने चयनकर्ताओं के सामने उपलब्ध रहने की इच्छा भी जताई थी। इसके बावजूद चयन समिति ने उन्हें शुरूआती मुकाबले से बाहर रखने का फैसला किया। सूर्यकुमार लंबे समय से लाल गेंद के क्रिकेट में निष्क्रिय रूप से नहीं खेलते हैं। उन्होंने अपना निरुत्सा रणजी मुकाबला फरवरी 2025 में वागपुर में विदर्भ के खिलाफ खेला था। इसके बाद से वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में ज्यादा सक्रिय रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, सूर्यकुमार ने चयनकर्ता को सहित भेजकर टीम में शामिल होने की इच्छा जताई थी। हालांकि, मुंबई की चयन समिति ने उन्हें इस मुकाबले के लिए टीम में शामिल नहीं किया। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता राजेश पवार ने बताया कि सूर्यकुमार को पहले कुछ लाल गेंद के मुकाबले खेलकर अपनी लय हासिल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार मुंबई के लिए बड़े मुकाबलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले अनुभवी खिलाड़ी हैं, लेकिन पिछले करीब 18 महीनों से उन्होंने नियमित लाल गेंद क्रिकेट नहीं खेला है।

खराब फॉर्म के बाद सोशल मीडिया पर देखने को मिला फैन्स का गुस्सा

संजु सैमसन का बल्ला खामोश, 4 मैच में 29 रन; अब वैभव सूर्यवंशी की बारी?

नई दिल्ली, एर्जेन्सी

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार अंदाज में 8 विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन इस मुकाबले में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजु सैमसन एक बार फिर बल्ले से प्रभावित नहीं कर सके। लखनऊ के रक्तना स्टेडियम में खेले गए मैच में सैमसन सिर्फ 11 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनकी लगातार खराब फॉर्म के बाद सोशल मीडिया पर फैन्स का गुस्सा देखने को मिला। कई प्रशंसकों ने अब संजु की जगह 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को मौका देने की मांग शुरू कर दी है।

संजु सैमसन के लिए हालिया टी20 मुकाबले बेहद निराशाजनक रहे हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 अक्टूबर को खेले गए मुकाबले में उन्होंने 9 रनों पर 11 रन बनाए। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ 3 अक्टूबर को खेले गए सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुए थे। श्रीलंका के खिलाफ 1 अक्टूबर को उनके बल्ले से 7 रन निकले, जबकि जापान के खिलाफ 22 सितंबर को उन्होंने 9 रन बनाए थे। इस तरह उनकी पिछली चार टी20 पारियों में कुल 29 रन ही आए हैं। लगातार खराब प्रदर्शन के चलते अब उनकी जगह को लेकर खयाल उठने लगे हैं। हालांकि, इससे पहले 17 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ संजु ने 35 रनों पर 50 रन की अच्छी पारी खेली थी, लेकिन उसके बाद वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे हैं।



वैभव सूर्यवंशी को मौका देने की मांग

संजु की लगातार नाकामी के बीच सोशल मीडिया पर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। 15 साल के वैभव को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले में प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली। यही वाक्य रही क्रि मैच के दौरान और उसके बाद फैन्स ने टीम प्रबंधन के फैसले पर खयाल उठाया। एक प्रशंसक ने लिखा कि अब संजु सैमसन से आगे बढ़ने का समय आ गया है। उन्हें फार्म में मिला चुके हैं और विश्व कप में उनके योगदान का सम्मान है, लेकिन मौजूदा फॉर्म हिलत बनने वाली है। वहीं एक अन्य यूजर ने खयाल उठाया कि आखिर कब तक संजु को लगातार मौके दिए जाएंगे और वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ी को बाहर बैठाया जाएगा।



प्रबंधन के सामने बड़ा सवाल

संजु सैमसन की मौजूदा फॉर्म ने भारतीय टीम प्रबंधन और मुख्य कोच वीरम गंभीर के सामने भी चुनौती खड़ी कर दी है। एक ओर टीम सैमसन के अनुभव और बड़े मुकाबलों में उनके प्रदर्शन की ध्यान में रख सकती है, वहीं दूसरी ओर लगातार कम स्कोर के कारण युवा वैभव को आज़माने की मांग जोर पकड़ रही है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 में कप्तान अख्तर ने शानदार शतक जड़कर भारत को आखिरी गेंद पर जीत दिलाई। ऐसे में टीम के शीर्ष क्रम में फिरहाल कप्तान के प्रदर्शन ने रहत जरूर दी है, लेकिन सैमसन का खराब फॉर्म विंता का विषय बना हुआ है।

नस्लभेदी टिप्पणी पर फूटा गुस्सा

कोको गॉफ ने ट्रोल्स को दिया करारा जवाब, बोलीं- ‘मैं न धोखेबाज हूं, न चोर’

नई दिल्ली, एर्जेन्सी

अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गॉफ ने चाहना ओपन के दौरान हुई एक विवादित घटना को लेकर सोशल मीडिया पर की जा रही आलोचना का जवाब दिया है। मुकाबले के दौरान एक अंश दोबारा खेले जाने के बाद गॉफ पर सवाल उठते गए थे। इसके बाद उन्हें सोशल मीडिया पर नस्लभेदी टिप्पणियों का भी सामना करना पड़ा। गॉफ ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह न तो धोखेबाज हैं और न ही चोर। चाहना ओपन के राउंड अंश 32 मुकाबले में गॉफ ने चीन की युन शिनरान को 7-5, 6-1 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। हालांकि, मैच का परिणाम सामने आने के बावजूद पहले सेट में हुई एक घटना चर्चा का केंद्र बन गई।

पहले सेट में गॉफ 4-5 के स्कोर पर सर्विस कर रही थीं। स्कोर 15-15 होने के दौरान उन्होंने एक अंश गंवा दिया। इसके बाद क्वार्ट के किनारे लगे एलर्जी विज्ञापन बोर्ड के डिमिटिमाने को लेकर उन्होंने चोर अंपायर से बातचीत की। गॉफ की अपरिधि के बाद उस अंश को दोबारा खेले जाने की अनुमति दी गई। गॉफ ने इसके बाद गेम और फिर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। यही



‘आप मुझे नापसंद कर सकते हैं, लेकिन नस्लभेदी मत बनिए’

गॉफ ने सोशल मीडिया पर एक प्रतिक्रिया को जवाब देते हुए कहा कि लोग उनके खेल या घटना को लेकर उनसे असहमत हो सकते हैं, लेकिन नस्लभेदी टिप्पणियां स्वीकार नहीं हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें पिछले कुछ घंटों में बड़ी संख्या में नस्लभेदी टिप्पणियां मिली हैं। साब ही उन्होंने कहा कि वह न तो धोखेबाज हैं और न ही चोर। गॉफ ने घटना को खिरतार से समझते हुए कहा कि अंक की शुरुआत में ही उन्होंने एलर्जी बोर्ड को डिमिटिमाते हुए देखा था, लेकिन उस समय उन्हें पूरी तरह यकीन नहीं था कि उन्होंने वास्तव में ऐसा देखा है या नहीं।

श्रेयस अय्यर को आईसीसी रैंकिंग में 18 स्थान का फायदा

पहली बार टॉप-10 टी-20 बैटर्स में शामिल; लखनऊ में विंडीज के खिलाफ शतक लगाया



□ एर्जेन्सी नई दिल्ली

भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने आईसीसी रैंकिंग में 18 स्थान की छलांग लगाई है। वे करियर में पहली बार टी-20 बैटर्स की रैंकिंग में टॉप-10 में आए हैं। वे 7वें स्थान पर आ गए हैं। अय्यर ने मंगलवार रात को वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 102 रन की शतकीय पारी खेली। इसका फायदा उन्हें बुधवार को जारी रैंकिंग में मिला। अब टी-20 के टॉप-10 बैटर्स में 4 भारतीय शामिल हैं। श्रेयस के अलावा ईशान पहले,

अभिषेक दूसरे और तिलक 10वें स्थान पर हैं। बुमराह की टॉप-10 में वापसी, राशिद की टॉप के नंबर-1 बॉलर टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह की टॉप-10 में वापसी हो गई है। उन्हें 3 स्थान का फायदा मिला है। अफगानिस्तान के राशिद खान पाकिस्तान के अबरार अहमद को पीछे छोड़कर नंबर-1 बॉलर बन गए हैं। भारत के अक्षर पटेल ने भी 16 पायदान की छलांग लगाई है। वे 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के नसुम अहमद 8वें और मेहदी हसन

9वें नंबर पर हैं।

हार्दिक पंड्या को एक स्थान का नुकसान

भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी-20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 8वें स्थान पर हैं। वे टॉप-10 में शामिल इकलौते भारतीय हैं। जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा नंबर-1 पर हैं। हार्दिक चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्होंने आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच 8 मार्च 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेला था।

गिल वनडे के नंबर-1 बैटर, राहुल टॉप-10 में पहुंचे

वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल का नंबर-1 स्थान और मजबूत हुआ है। वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में नाबाद 223 रन बनाने के बाद उनके 841 रेटिंग पॉइंट हो गए हैं। कप्तान शाई होप 2 स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि केएल राहुल 7 पायदान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर हैं।

भारत को फुटबॉल मैच में उरुग्वे ने 6-1 से हराया

22वें मिनट में भारत ने गोल कर 1-1 किया; बारिश के बाद 5 गोल

कोलकाता। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में मंगलवार रात खेले गए इंटरनेशनल फंडली फुटबॉल मैच में उरुग्वे ने भारत को 6-1 से हराया। दुनिया की 22वें नंबर की टीम के खिलाफ भारतीय मिडफील्डर अनिरुद्ध थापा ने 22वें मिनट में गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया था। यह गोल भारत के लिए ऐतिहासिक रहा। हालांकि, बारिश और आसमानी बिजली के कारण करीब 35 मिनट के ब्रेक के बाद उरुग्वे ने मैच पर पूरी तरह कब्जा कर लिया और भारत के खिलाफ 5 और गोल दागे।

थापा के गोल से 1982 की याद ताजा हुई

भारत ने उरुग्वे के खिलाफ इससे पहले 1982 के नेहरू कप में गोल किया था। ईडन गार्डन्स में खेले गए उस मुकाबले में मानस भट्टाचार्य ने भारत के लिए गोल किया था। भारत को उस मैच में 1-3 से हार मिली थी। इस बार थापा ने उसी शहर में भारत के लिए गोल किया। 22वें मिनट में रयान विलियम्स के शॉट को उरुग्वे के गोलकीपर गैस्टन



कार्डोजो पूरी तरह रोक नहीं सके। रिबाउंड पर मौजूद थापा ने गेंद को गोल में पहुंचाया और भारत को बराबरी दिला दी।

नुनेज की पेनल्टी से उरुग्वे ने ली बढ़त

मैच की शुरुआत में उरुग्वे ने भारत पर दबाव बनाया। 11वें मिनट में प्रमवीर ने बॉक्स में फेडेरिको विनास को गिरा दिया। इसके बाद उरुग्वे को पेनल्टी मिली। स्टार स्ट्राइकर डार्विन नुनेज ने इस मौके को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

इसके 11 मिनट बाद भारत ने बराबरी कर ली। इसके बाद दोनों टीमों के बीच मुकाबला बराबरी का नजर आया, लेकिन मौसम के कारण खेल का रुख बदल गया।

बारिश और बिजली के कारण 35 मिनट रुका मैच

तेज बारिश और आसमानी बिजली के कारण मुकाबला करीब 30 से 35 मिनट तक रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू होने के बाद उरुग्वे ने तेजी से आ मण किया। ब्रेक के बाद नाहितान नांदेज के लो- र्स पर

मैक्सिमिलियानो अराउजो ने गोल कर उरुग्वे को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम के लिए मैच में वापसी करना मुश्किल होता गया।

दूसरे हाफ में उरुग्वे ने 4 गोल किए

दूसरे हाफ में उरुग्वे ने भारतीय डिफेंस पर लगातार दबाव बनाया। 53वें मिनट में रोड्रिगो जालाजार ने बॉक्स के बाहर से तेज शॉट लगाकर स्कोर 3-1 कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद अराउजो ने अपना दूसरा गोल कर उरुग्वे की बढ़त 4-1 कर

दी। आखिरी मिनटों में मैनेचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व विंगर फाकुंदो पेलेस्ट्री ने दो शानदार असिस्ट किए। उनकी मदद से जुआन सालाबिया और रोड्रिगो अगुइरे ने गोल दागे और उरुग्वे ने मुकाबला 6-1 से जीत लिया।

उरुग्वे ने दूसरे हाफ में मैच पूरी तरह अपने नाम किया

भारत ने पहले हाफ में बराबरी तक पहुंचकर उरुग्वे को चुनौती दी, लेकिन ब्रेक के बाद साइड अमेरिकी टीम की आ मण क्षमता के सामने भारतीय डिफेंस दबाव में आ गया।

एक नजर...



सच के साथ



Sponsored

CMD facilitate speaker jharkhand

Sponsored

